सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 264 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 7 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी बस व हाईवा की टक्कर, तीन की मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शुक्रवार तड़के भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी बस सड़क किनारे खड़ी हाईवा से टकरा गई। हादसे में तीन कार्यकर्ताओं की मौत हो गई वहीं 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह भाजपा कार्यकर्ता सूरजपुर जिले से रायपुर के लिए निकले थे। हादसा बिलासपुर के रतनपुर में तड़के 4 से 5 बजे के बीच हुई है। ससूरजपुर जिले के विश्रामपुर शिवनंदनपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ता रायपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने निकले थे।

मिली जानकारी के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी लग्जरी बस बिलासपुर -अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर रतनपुर के पास सड़क किनारे खड़ी हाईवा से टकराई। टक्कर के बाद बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बस में विश्रामपुर शिवनंदनपुर मंडल के 40 से ज्यादा कार्यकर्ता सवार थे। हादसे में ग्राम जमदई निवासी सज्जन (30), रूपदेव (55) और बस ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पांच कार्यकर्ता घायल हो गए हैं।

सीएम बघेल ने जताया दु:ख

भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी बस के दुर्घटना ग्रस्त होने और तीन लोगों की मौत पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गहरा दु:ख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री जी की सभा में शामिल होने अंबिकापुर से आ रही बस के बिलासपुर के समीप दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। 3 लोगों की दुखद मृत्यु का समाचार मिला है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं उनके परिवारजनों को हिम्मत दें। 5 लोगों के घायल होने की सूचना है। हम उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं।

मनेन्द्रगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं की कार दुर्घटनाग्रस्त

मनेन्द्रगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा और रैली में शामिल होने के लिए रायपुर के लिए निकले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले भाजपा नेताओं की कार हादसे का शिकार हो गई। इसमें 6 कार्यकर्ता घायल हो गए। कार में भाजपा कार्यकर्ता रवि सिंह, किशन सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव, राम केसरवानी, दिलीप सिंह और मिक्कू सवार थे। उन्हें शुक्रवार को होने वाली पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होना था।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी: 7600 करोड़ रुपए के परियोजनाओं की दी सौगात

रायपुर-विशाखापट्नम एक्सप्रेस-वे की रखी आधारशिला, 150 किमी तक घट जाएगी दूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी में आयोजित शासकीय कार्यक्रम से प्रदेशवासियों को 7600 करोड़ की 10 परियोजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर के छत्तीसगढ़ सेक्शन के 3 नेशनल हाई-वे प्रोजेक्ट्स की आधारशिला रखी। इस मौके पर जबलपुर-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की भी आधारशिला भी रखी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतागढ़-रायपुर के लिए नई मेमू ट्रेन हो हरी झंडी दिखाई। वहीं कार्यक्रम के दौरान आयुष्मान भारत परियोजना के तहत आयुष्मान कार्ड का भी वितरण भी किया।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से रायपुर एयरपोर्ट पर सुबह 10 बजे पहुंचे। एयरपोर्ट पर पीएम प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। यहां से पीएम मोदी हेलीकाप्टर से सभा स्थल के लिए उड़ान भरी। रविशकंर शुक्ल यूनिवर्सिटी में शासकीय कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल व पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मंच केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में विकास के अनेक कार्य होंगे। छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खुलेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर कमजोर रहा है वहां विकास भी देर से पहुंचा है। इसलिए आज उन क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है जिससे कि विकास व रोजगार के लाखों नए अवसरों का निर्माण होगा। भारत में जो इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ रहा है उसका असर छत्तीसगढ़ में भी दिख रही है। इसी कड़ी में रायपुर-कोड़फोड व बिलासपुर-पथरापुर नेशनल हाइवे का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम को सबसे पहले केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कहा देख में सड़क परिवहन पर बेहतर कार्य हो रहा है। आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से विशाखापट्नम के बीच कॉरिडोर का पीएम मोदी शिलान्यास कर रहे हैं। इस कॉरिडोर के बनन से रायपुर से विशाखापट्नम की दूरी 150 किमी तक कम हो जाएगी। इसके अलावा रायपुर से धनबाद कॉरिडोर का भी निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा भी आने वाले समय में कई कार्य प्रस्तावित हैं।

पिछड़े क्षेत्र के लोगों पर केन्द्र सरकार का फोकस

पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का फोकस पिछड़े क्षेत्र है। आदिवासी गांवों में 9 साल पहले तक मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज से दो नई कॉरीडोर से जुड़ने जा रहा है। रायपुर से धनवाद तथा रायपुर से विशाखापट्नम के बीच इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर विशाखापट्नम तक बनने वाले एक्सप्रेस वे को ऐसा बनाया जा रहा है कि जिससे कि वन्य जीवों को कोई परेशानी न हो। इसके अलावा एक सिक्सलेन का एक टनल भी इस कॉरीडोर में बनाया जा रहा है जो कि लगभग दो किमी लंबा होगा।

छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते : पीएम मोदी

छत्तीसगढ़ के 2800 करोड़ की राशि रॉयल्टी के रूप में मिले है। केन्द्र सरकार ने एक प्रयास का लाभ छत्तीसगढ़ के लोगों को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते खोले गए। इन खातों में 6 हजार करोड़ से ज्यादा जमा है। आज जनधन खातों की मदद से सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। युवओं को रोजगार मिले इसके लिए भी भारत सरकार काम कर रही है। मुद्रा लोन के रूप में युवाओं को बिना गारंटी का लोन दिया। कोरोना काल में छोटे उद्योगों को लाभ देने कई योजनाएं चलाईं। केन्द्र सरकार ने रेहड़ी ङ्कपटरी व ठेला चलाने वालों के लिए पीएम स्वानिधि योजना बनाई। छत्तीसगढ़ में इसके 60 हजार से ज्यादा लाभार्थी हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना से देश के साथ छत्तीसगढ़ के लोगों को भी पांच लाख रुपए के इलाज की गारंटी मिली है।

जितना मांगते हैं उससे ज्यादा ही देते हैं : सीएम भूपेश बघेल

इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के दौरे में आये हैं। प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की भूमि में मैं उनका स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री जी से हम अनेक मंचों में मिलते हैं और नीति आयोग आदि की बैठकों में मिलते हैं। हम मांगे भी करते हैं लेकिन उन्हें और दोहराना नहीं चाहता। मैं गडकरी जी के साथ भी बैठता हूं जितना मांगते हैं उससे ज्यादा ही देते हैं। केन्द्र से हम तो मांगते ही रहेंगे लेकिन और ज्यादा नहीं कहना चाहता हूं। फिर भी इतना कहना चाहता हूं कि हमारा राज्य नवोदित राज्य है इसलिए ज्यादा से ज्यादा मदद हमको मिलती रहे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस दौरान पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ की धरती पर आने के लिए विशेष स्मृति चिह्न व शॉल से सम्मानित भी किया।

'जो डर गया, वो मोदी नहीं हो सकता' संकल्प रैली में बोले पीएम

विजय संकल्प रैली को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि गंगाजी की झूठी कसमें खाकर घोषणा-पत्र जारी करने वालों की याददाश्त अब चली गई है। पांच साल बीत गए लेकिन छत्तीसगढ़ में घोषणा-पत्र के अनुरूप शराबबंदी नहीं हुई। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से 36 वादे जो कांग्रेस ने किए थे, उसमें एक ये था कि राज्य में शराब बंदी की जाएगी। पांच साल बीत गए, लेकिन सच यह है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में हजारों करोड़ का शराब घोटाला कर दिया है और इसकी पूरी जानकारी अखबारों में भरी पड़ी है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ एक एटीएम की तरह है। उन्होंने आरोप लगाया कोयला माफिया, बालू माफिया, भू-माफिया... न जाने कैसे-कैसे माफिया यहां फल-फूल रहे हैं। यहां सूबे के मुखिया से लेकर तमाम मंत्रियों और अधिकारियों तक पर घोटाले के गंभीर से गंभीर आरोप लगते रहे हैं। कांग्रेस के कोर-कोर में करप्शन है। करप्शन के बिना कांग्रेस सांस भी नहीं ले सकती है। करप्शन, कांग्रेस की सबसे बड़ी विचारधारा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिनके दामन दागदार हैं, वे आज एक साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। जो एक-दूसरे को पानी पी-पीकर कोसते थे, वे आज साथ आने के बहाने खोजने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश के हर भ्रष्टाचारी को एक बात कान खोलकर सुन लेनी चाहिए। वो अगर भ्रष्टाचार की गारंटी है, तो मोदी भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की गारंटी है। ये लोग मेरे पीछे पड़ेंगे, मेरी कब्र खोदने की धमकी देंगे, मेरे खिलाफ साजिशें रचेंगे, लेकिन उन्हें पता नहीं है, जो डर जाए वह मोदी नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अपने कुशासन और भ्रष्टाचार के दाग को कांग्रेस अब झूठी गारंटियों से छिपाने की कोशिश कर रही है।

गुजरात हाईकोर्ट से राहुल गांधी को झटका

मोदी सरनेम पर मानहानि मामले में सजा पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज

अहमदाबाद(एजेंसी)। मानहानी मामले में सजा पर रोक की मांग वाली पूर्व सांसद राहुल गांधी की याचिका गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले जस्टिस हेमंत प्रच्छक ने मई में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अंतिम आदेश पारित करेंगे।

बता दें राहुल गांधी द्वारा 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में मार्च में सूरत की अदालत ने उन्हें धारा 504 के तहत दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद राहुल की लोकसभा सदस्यता भी चली गई थी। ऐसे में अगर हाईकोर्ट से राहुल के पक्ष में फैसला आता है तो कांग्रेस नेता की संसद सदस्यता बहाल होने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गुजरात कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है। जबकि राहुल गांधी के वकील ने गुजरात हाईकोर्ट में तर्क दिया था कि एक जमानती और गैर-संज्ञेय अपराध के लिए अधिकतम दो साल की सजा का मतलब है कि उनके मुवक्किल अपनी लोकसभा सीट खो देंगे।

जानिए राहुल गांधी ने क्या कहा था

2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफमानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय की मानहानि की है। राहुल के खिलाफआईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

छत्तीसगढ़ भाजपा को न ले डूबे एमपी का सीधी कांड!

चुनाव से पहले आदिवासियों की नाराजगी पड़ सकती है भाजपा पर भारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा लम्बे समय से आदिवासी वोट कबाड़ने में जुटी है, लेकिन उसके इस गहन और लम्बे राजनीतिक प्रयासों पर मध्यप्रदेश के सीधी में घटित पेशाब कांड की काली छाया पड़ती दिख रही है। भाजपा के शीर्षस्थ व प्रादेशिक नेता लगातार आदिवासी वोटों को पार्टी से जोड़ने की कवायद कर रहे हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे पहाड़ी इलाकों में उनके दौरे भी होते रहे हैं। लेकिन सीधी-कांड ने भाजपा को तगड़ा झटका दिया है। इसका 21 फीसदी आदिवासी आबादी वाले एमपी में कितना असर होगा, यह तो वक्त ही बताएगा, किन्तु छत्तीसगढ़ के आदिवासियों में भी इस कांड को लेकर नाराजगी फैलने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के सीधी क्षेत्र में वहां के एक युवा भाजपा नेता ने एक अधेड़ आदिवासी के ऊपर पेशाब कर दी थी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद हालांकि सरकार की पहल पर आरोपी युवक पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया गया और पुलिसिया कार्यवाही भी की गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित आदिवासी के पैर धोकर माफी भी मांग ली, किन्तु इससे आदिवासी वर्ग की नाराजगी कम होगी, इसकी संभावना कम ही है। दरअसल, मामला इसलिए भी ज्यादा गम्भीर हो गया है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति आदिवासी वर्ग से जुड़ा हुआ है और केन्द्र की मोदी सरकार जो यूसीसी कानून लाने की तैयारी में है, उसे लेकर आदिवासियों ने खासी नाराजगी पहले ही जाहिर कर दी है। केन्द्र सरकार आदिवासियों को इस कानून में छूट देने का प्रावधान लाने की मानसिकता भी बना रही है। ऐसे में पहले से ही भाजपा से नाराज चल रहे आदिवासियों के बीच सीधी कांड आग में घी का काम कर सकता है।

हालांकि अभी तक छत्तीसगढ़ में आदिवासी वर्ग की ओर से विरोध के स्वर मुखरित नहीं हुए हैं, लेकिन प्रादेशिक भाजपा के पास इस मामले में चुप्पी साधे रखने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। दूसरी ओर कांग्रेस सोशल मीडिया के माध्यम से सीधी कांड का वीड़ियो और उससे जुड़े तमाम मसलों को जोर-शोर से उठा रही है।

क्यों नहीं लगाया एससी-एसटी एक्ट?

मध्यप्रदेश की सरकार ने आरोपी भाजपा नेता के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर एससी-एसटी एक्ट के रहते हुए एनएसए क्यों लगाया गया? वास्तव में इसके पीछे की सरकार की मंशा पर भी उंगलियां उठ रही है। यदि आरोपी युवक के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई होती तो इसका सीधा और स्पष्ट मतलब होता कि सरकार मानती है कि आदिवासी का शोषण हुआ है। ऐन चुनाव से पहले शिवराज सरकार ऐसा जोखिम इसलिए भी नहीं लेना चाहती, क्योंकि आदिवासी समुदाय बड़ा वोट-बैंक है। इसलिए एनएसए लगाकर काम खत्म किया गया।

मेटावर्स के दौर में 'शर्मिन्दगी' का व्यापार

श्रीकंचनपथ

18वीं बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल का एक कांस्टेबल ब्लैकमेलिंग का शिकार हो गया। 2 जुलाई को उसे किसी नेहा शर्मा का फोन आया। यह एक बेहद आम नाम है जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। वीडियो कॉल के दौरान नेहा ने कपड़े नहीं पहने हुए थे। उसने कांस्टेबल को भी कपड़े उतारने के लिए उकसाया। दोनों ने कुछ मिनटों तक इसी तरह न्यूड होकर बातचीत की। शाम को नेहा का दोबारा कॉल आ गया। उसने बताया कि उसने न्यूड वीडियो को रिकार्ड कर लिया है और इसे डिलीट करने के ऐवज में उसे पैसे चाहिए। दूसरे दिन सुबह राकेश अस्थाना के नाम से किसी ने कांस्टेबल को फोन किया। उसने खुद को साइबर सेल का अफसर बताते हुए पैसों की डिमांड रख दी। उसने बताया कि नेहा ने उसे यूट्यूब पर अपलोड कर दिया है जिसे होल्ड पर रखा गया है। कांस्टेबल ने नेहा को कॉल किया तो उसकी राहुल शर्मा से बात हुई। उसने कहा कि यदि उसने पैसे नहीं दिये तो वीडियो वायरल हो जाएगा। कांस्टेबल डर गया और साढ़े सत्रह हजार रुपए फोन-पे कर दिया। इसके बाद कई किस्तों में उसने 3.16 लाख रुपए से अधिक रकम की भुगतान कर दी। थक हारकर वह पुलिस के पास पहुंचा। सेक्सटार्शन के इस मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल, स्त्री पुरुष को नग्न देखने की इच्छा रखना एक आदिम प्रवृति है। इसे भारतीय समाज ने स्वीकार भी किया है। दुनिया भर में नग्न चित्रों एवं मूर्तियों को सौन्दर्य की दृष्टि से देखा जाता है। भारत की प्राचीन मूर्तिकला में न केवल नग्न बल्कि मिथुनरत मूर्तियों को भी सहज भाव से लिया गया है। मंदिरों में, गुफाओं-कंदराओं में इसके चित्र और मूर्तियां देखने को मिल जाती हैं। आधुनिक समाज में न्यूड फोटो सेशन्स, वीडियो एल्बम्स, बॉडी पेंटिंग का भी चलन है। पर यह शौक एक खास वर्ग में ही देखा जाता है। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने लगभग सभी 'टैबू' तोड़ दिये हैं। इनके न्यूड और सेमीन्यूड फोटो-वीडियो आते रहते हैं। कुछ मनचले वीडियो एडिटिंग साफ्टवेयर के द्वारा इन्हें अश्लील बना देते हैं। इंटरनेट पर ऐसे तमाम वीडियोज पड़े हुए हैं जिसे देखने वालों की संख्या भी कम नहीं है। पर आम आदमी को आज भी शर्म आती है। इसी शर्म को भुनाने के लिए कुछ लोगों ने एक नया धंधा खोल लिया है। वैसे तो आम तौर पर इसमें लड़कियों को फंसाया जाता है पर ताजा घटना यह बताने के लिए काफी है कि इस रैकेट की चपेट में पुरुष भी आने लगे हैं। दस में से नौ लोग इस तरह के फोन कॉल पर अपने हिस्से का मजा लेने के बाद कॉल काट देंगे पर एक ही आदमी फंसेगा जो उकसावे में कपड़े उतारेगा या अश्लील हरकतें करेगा। अच्छी बात यह है कि 'शर्म' को हथियार बनाकर धंधा करने वाले ज्यादा सावधान नहीं होते। इन्हें आसानी से पकड़ा जा सकता है।

संपादकीय

डाटा सुरक्षा की ओर

साइबर दौर में डाटा सुरक्षा या निजता की रक्षा करने वाले एक कानून की जरूरत विगत दशक से ही शिद्दत से महसूस की जा रही है और अब यह खुशखबरी है कि संसद के मानसून सत्र में संबंधित विधेयक पेश किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को अंतिम तौर पर मंजूरी दे दी है। यह डिजिटल डाटा संरक्षण विधेयक निजी और सरकारी, दोनों तरह की संस्थाओं पर लागू होगा। आईटी कंपनियां क्या सूचनाएं या आंकड़े जुटा रही हैं, क्या संभालकर अपने भंडार में रख रही हैं और उसमें से कितना किसी के साथ साझा कर रही हैं, ऐसी तमाम जानकारियां अब कंपनियों को देनी पड़ेगी। अभी भारत में बड़े पैमाने पर डाटा की चोरी होती है। अक्सर हम देखते हैं कि आधार या पैन संबंधी डाटा की चोरी भी चर्चा में आ जाती है। डाटा बेचने या लीक करने वाली किसी भी कंपनी पर कोई ठोस कार्रवाई करना आसान नहीं है। भारत के पास ऐसी कोई मिसाल नहीं है कि वह दावा कर सके कि उसके यहां डाटा सुरक्षित है। यह बात भी किसी छिपी नहीं है कि भारत में विदेशी कंपनियां भी भारतीय डाटा का कारोबार करती हैं। यह बहस भी पुरानी है कि विदेशी कंपनियों को भारत से बाहर डाटा संग्रहण करने नहीं देना चाहिए। हालांकि, कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि विदेशी कंपनियों के पास भारतीयों का अधिकतम डाटा मौजूद नहीं होगा। हम एक एप भी अपने मोबाइल पर डाउनलोड करते हैं, तो वह हमसे तमाम तरह की सूचनाएं मांग लेता है। वह हमारी फोटो गैलरी, तमाम कांटेक्ट नंबर भी देखने का अधिकार मांगता है और हम सेवा के लोभ में तमाम सूचनाएं उपलब्ध करा देते हैं। अब उचित ही डाटा जुटाने या रखने वाली तमाम कंपनियों को सावधान रहना होगा, क्योंकि अब अवैध-अलोकतांत्रिक डाटा कारोबार पर रोक लगने वाली है। अफसोस की बात है, इस मामले में हम पहले ही बहुत पिछड़ गए हैं। अमेरिकी और यूरोपीय देशों में कोई भी कंपनी अपने ग्राहकों या लोगों के डाटा के साथ खिलवाड़ करने की सोच भी नहीं सकती, भारत में भी ऐसी ही स्थिति निस्संदेह बननी चाहिए। यह तथ्य है कि यह डाटा गोपनीयता संबंधी विधेयक का पांचवां प्रारूप है। पहला प्रारूप पांच साल पहले पेश हुआ था और तभी से एक-एक करके चार प्रारूप खारिज हुए हैं। अब यह पांचवां प्रारूप है और इसका संसद में जल्द पारित होना देश के विकास व संपन्नता के लिए अपरिहार्य है। देश के लोगों की सूचनाएं किसी संसाधन या संपदा से कम नहीं हैं। दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं डाटा के जोर पर ही तरक्की कर रही हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था ही भविष्य है, इसकी कमान हम केवल बड़ी कंपनियों या सोशल मीडिया कंपनियों के हाथों में नहीं सौंप सकते। यह भावी कानून आम आदमी को मजबूत करेगा और उसे अर्थव्यवस्था में मजबूत हिस्सेदार बनाएगा। देश के एक-एक व्यक्ति को वाकई यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसका कौन सा डाटा एकत्र और साझा किया जा रहा है। हालांकि, सरकार को भी अपने काम करने का ढंग सुधारना होगा। सरकार भी लोगों से जरूरत से ज्यादा डाटा या सूचनाएं मांगती है। छोटे-छोटे काम के लिए भी सरकारी अधिकारी हर तरह के जरूरी-गैर-जरूरी दस्तावेज मांगते हैं, लेकिन उनमें दर्ज सूचनाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी कदापि नहीं लेते। निजी कंपनियां भी सरकारी संस्थाओं की नकल करती हैं, अत: जब कानून बने, तो व्यापक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

> अमेरिकी और यूरोपीय देशों में कोई भी कंपनी अपने ग्राहकों या लोगों के डाटा के साथ खिलवाड़ करने की सोच भी नहीं सकती, भारत में भी ऐसी ही स्थिति निस्संदेह बननी चाहिए। यह तथ्य है कि यह डाटा गोपनीयता संबंधी विधेयक का पांचवां प्रारूप है। पहला प्रारूप पांच साल पहले पेश हुआ था और तभी से एक-एक करके चार प्रारूप खारिज हुए हैं। अब यह पांचवां प्रारूप है और इसका संसद में जल्द पारित होना देश के विकास व संपन्नता के लिए अपरिहार्य है। देश के लोगों की सूचनाएं किसी संसाधन या संपदा से कम नहीं हैं।

> **यह साझेदारी कई मायनों में उस व्यवस्था की वापसी है, जो कभी आपस में जुड़ी हुई थी और एशिया के यूरोपीय उपनिवेश बनने के दौरान टूट गई, इसे शीत युद्ध ने और खंडित कर दिया।**

एशिया का रुतबा लौटाते भारत-चीन

जौरावर दौलत सिंह

पश्चिमी विचारकों का मानना है कि उभरती हुई ताकतें प्रतिस्पर्द्धा करती ही हैं। और, जब वे पड़ोसी होती हैं, तब तो उनमें शत्रुता की आशंका भी कहीं अधिक होती है। पिछले करीब डेढ़ सौ वर्षों से भारत व उससे पहले के ब्रिटिश भारत और चीन व उससे पहले के छिंग चीन ने पश्चिमी विचारकों को सही साबित किया है। देखा जाए, तो भारत-चीन संबंधों के इतिहास को भू-राजनीतिक कटुता का एक लंबा युग कहा जा सकता है, जिसमें सिर्फ आपसी तालमेल और क्षणिक मौकों पर ही सुलह दिखी।

इस लिहाज से 2020 का अंतहीन सीमा-विवाद इस गाथा का एक और अध्याय है। 2010 का दशक हिमालयी सीमा पर बढ़ते तनाव व सैन्य अस्थिरता के नाम था, जिसका नतीजा जून 2020 में हिंसक झड़प के रूप में सामने आया। तब से आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघली जरूर है, मगर इतनी गरमी नहीं आई है कि सार्थक बातचीत हो या द्विपक्षीय संबंधों में गरमाहट आ सके। फिलहाल जिस बात पर दोनों देश सहमत हैं, वह यह है कि सैन्य तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं है, इसलिए इससे बचा जाना चाहिए। दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर या तीसरे देश में आपसी विवादों पर बयान देना भी अब बंद कर दिया है।

नई दिल्ली के लिए शांतिपूर्ण और स्थिर सीमा का मसला हमेशा से चीन के साथ टिकाऊ संबंधों के केंद्र में रहा है। वहीं चीन के लिए, सीमा एक अहम मसला जरूर है, लेकिन एक बड़े फलक के छोटे से हिस्से के रूप में। चूंकि बातचीत के अंतर्निहित मसलों पर वे पूरी तरह सहमत होने को तैयार नहीं हैं, इसलिए गतिरोध खत्म करने के लिए कूटनीति ज्यादा अहम हो गई है।

आश्चर्य की बात यह है कि दोनों पक्ष इस गतिरोध को- जिसे कुछ लोग 'न्यू नॉर्मल' बताते हैं- द्विपक्षीय जटिल रिश्ते को संभालने और इसे अपने हित में करने का आसान तरीका मानते हैं। भारत संबंधों में गरमाहट लाकर अमेरिका को अपने पक्ष में करने में सफल रहा है, जिसका अघोषित आधार एशिया में शक्ति-संतुलन है। नई दिल्ली को भरोसा है कि चीन-समस्या को देखते हुए अमेरिका भारत के उत्थान और उसके घरेलू सुधार में रुचि बनाए रखेगा, और इसके लिए भारत को किसी अमेरिकी सैन्य अभियान या नीति में शामिल भी नहीं होना पड़ेगा। चीन के लिए भी भारत का मोर्चा, जो लद्दाख संकट के बाद अपेक्षाकृत शांत है, बीजिंग को अपने जरूरी घरेलू व विदेशी मसलों पर अधिक ध्यान लगाने में बाधक नहीं बन रहा है।

मगर जिस चीज ने वास्तव में भारत और चीन के नेतृत्व को अपनी प्राथमिकताएं बदलने को बाध्य किया है, वह है अमेरिका और उसके मुख्य विरोधियों- रूस व चीन के बीच बड़ी ताकत बनने को लेकर शुरू हुआ टकराव। अमेरिका-चीन और अमेरिका-रूस संबंधों ने भारत-चीन रिश्तों का अर्थ बदल दिया है। चीन पूर्वी हिस्से में भू-राजनीतिक टकराव को थामने में व्यस्त है, और अमेरिका के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह टूटने से बचाने के लिए वाशिंगटन के साथ एक नया, भले कमजोर ही सही, संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। भारत भी यूक्रेन युद्ध के बाद बहुध्रुवीयता के उभार में नए अवसरों की खोज के साथ-साथ घरेलू स्थिरता और विकास को तवज्जो दे रहा है।

इसी का नतीजा है कि भारत-चीन सवाल, विश्व-व्यवस्था की बड़ी शक्तियों के बीच काफी अहम बन गया है। विडंबना यह है कि भारत और चीन अपने खराब आपसी संबंधों के बावजूद कई बहुपक्षीय मंचों और संस्थाओं में समान विचार को आगे बढ़ाते देखे जा रहे हैं। इसकी वजह स्पष्ट है- भारत बेशक चीन की बढ़ती ताकत से सावधान है, लेकिन वह एकध्रुवीय व्यवस्था के बाद की दुनिया को आकार देने में भी विश्वास करता है। यह गैर-पश्चिमी देशों की आवाज और उनके कद को बढ़ाने में मददगार है, जो वैश्विक संस्थाओं में हाशिये पर धकेल दिए गए हैं। इसने भारत व चीन को साथ आने को प्रेरित किया है, ताकि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के साथ-साथ वे पश्चिम के नेतृत्व वाले संस्थानों व नियमों का दुरुपयोग रोक सकें।

एक समावेशी वित्तीय, निवेश व व्यापार ढांचा बनाने के प्रति पश्चिमी देश बीते कई वर्षों से अनिच्छा दिखाते रहे हैं। यही नहीं, एक आरक्षित मुद्रा, ब्रेटन वुड संस्थान, पूर्वानुमानित ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और कॉमोडिटी एक्सचेंज आदि को बेशक अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले वैश्विक उत्पाद के रूप में भारत व चीन के नव-उदारवादी नीति-निर्माताओं ने स्वीकार किया था, पर वे यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी हितों की पूर्ति करने के भू-राजनीतिक औजार बना दिए गए हैं।

भारत और चीन के दूरदर्शी रणनीतिकारों ने 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान ही वैकल्पिक ढांचे और संस्थानों को महत्व देना शुरू कर दिया था। इसका फल अब धीरे-धीरे मिलने लगा है। ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को साथ-साथ नकारना, वैश्विक दक्षिण को फायदा पहुंचाने की खातिर विकास व बहुपक्षीय मानदंडों के लिए नए विचारों का समर्थन, पश्चिमी-प्रभुत्व से इतर व्यवस्था वाली दुनिया के लिए एक मानक के रूप में बहु-सभ्यतावादी विश्व का समर्थन करना आदि ऐसे कई उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि भारत और चीन बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

यह साझेदारी कई मायनों में उस पुरानी व्यवस्था की वापसी है, जो कभी आपस में जुड़ी हुई थी और एशिया के यूरोपीय उपनिवेश बनने के दौरान टूट गई और फिर शीत युद्ध के दौरान अधिक खंडित होती गई। ब्रिक्स व शंघाई सहयोग संगठन वास्तव में विकास के लिए समावेशी माहौल की तलाश करने वाले देशों के बढ़ते बहु-सभ्यतागत बहु-सांस्कृतिक नेटवर्क का प्रतीक है। चूंकि पश्चिम ने किनारा कर लिया है, इसलिए भारत और चीन ने वैश्विक-व्यवस्था को स्थिर करने वाली भूमिका अपना ली है। शायद इसी का उदाहरण है कि भारत ने रूसी तेल आयात का भुगतान युआन में करने का फैसला लिया है, जो अमेरिका द्वारा एक हथियार के रूप में वैश्विक आर्थिक तंत्र के इस्तेमाल करने वाले दौर में अकल्पनीय माना जाता था।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

केवल ऑनलाइन पढ़ाई से नहीं चलेगा हमारा काम

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

ऑनलाइन शिक्षा आमतौर पर उम्मीदों पर खरी क्यों नहीं उतर रही? कुछ तो इसलिए कि इससे हमारी अपेक्षाएं काफी ज्यादा हैं। अक्सर कुछ लोगों के व्यावसायिक हित हमारा भरोसा तोड़ते हैं, या फिर ऐसी तकनीकों पर एतबार भी, जिसमें सामाजिक-मानवीय पहलुओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। हालांकि, जो लोग इनसे प्रभावित नहीं होते, उन्हें भी अंतत: अपनी उम्मीदों और हकीकत में विशाल अंतर का एहसास होता है। आखिर ऐसा क्यों होता है? इसे समझने के लिए हमें पहले यह जानना चाहिए कि शिक्षा है क्या और सीखना कैसे मुमकिन होता है?

शिक्षा दरअसल शिक्षार्थियों में तीन प्रकार के तत्व विकसित करती है, इसीलिए यह कह सकते हैं कि शिक्षा के मूलत: तीन लक्ष्य होते हैं। पहला, क्षमता का विकास, जैसे पढ़ना, आलोचनात्मक सोच, टीम वर्क, आत्म-अनुशासन आदि। दूसरा, मूल्यों और स्वभाव का रोपण, जैसे, सहानुभूति, गैर-भेदभाव, दूसरों के प्रति सम्मान आदि। और तीसरा लक्ष्य है, ज्ञान का विस्तार, जैसे, गुणा-भाग, चुंबकत्व, इतिहास आदि का ज्ञान। ये तीनों लक्ष्य एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और जिन प्रक्रियाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों का सीखना होता है, उनको भी अलग-अलग नहीं किया जा सकता। कुछ विशिष्ट प्रकार के लक्ष्य सामाजिक संपर्क बनाने और एक-दूसरे की संस्कृति को समझने से हासिल होते हैं। ज्यादातर मूल्य इसी तरह सीखे जाते हैं, और कई क्षमताएं भी। मगर ऑनलाइन शिक्षा के बड़े से बड़े चैंपियन भी यह दावा नहीं करते कि यह मूल्यों व मौलिक क्षमताओं का विकास करती है।

शिक्षा का लक्ष्य दो तरह का ज्ञान है- 'नो-व्हाट', यानी क्या की समझ और 'नो-हाउ', यानी कैसे की समझ। 'नो-व्हाट' का अर्थ पाठ्य-सामग्रियों और अवधारणाओं की समझ बनाना है, जैसे प्रायद्वीप क्या है, मुगल साम्राज्य का पतन क्यों हुआ आदि। जबकि, 'नो-हाउ' व्यावहारिक ज्ञान है कि आखिर कोई कैसे संभव हो पाता है, जैसे आप ऊंचाई कैसे मापते हैं, सर्किट कैसे बनाते हैं आदि। ये दोनों भी आपस में जुड़े हुए हैं। अच्छी शिक्षा बच्चों में सिर्फ 'क्या' विकसित नहीं करती, बल्कि वह 'कैसे' का भी संचार करती है। इसका कारण यह है कि ज्ञान के रूप में उपलब्ध सामग्रियां और अवधारणाएं अथाह हैं, इसलिए हमें क्या जानना है, इसका दायरा अंतहीन है। हालांकि, कैसे की जानकारी पाकर छात्र क्या-क्या जानना चाहिए, इसका विस्तार कर सकता है। अब बात सीखने की प्रक्रिया की, तो खास लक्ष्य के साथ सीखने के लिए एक शिक्षक की आवश्यकता होती है। हालांकि, यदि छात्र जागरूक है, तो उसे 'क्या' की पाठ्य-सामग्रियों को समझने के लिए किसी शिक्षक की शायद जरूरत न पड़े, पर इस प्रक्रिया में अन्य इंसानों की सहभागिता निस्संदेह आवश्यक है। वहीं, ज्यादातर 'कैसे' को समझना बिना शिक्षक काफी कठिन है। तो, ऑनलाइन में शिक्षक ऐसा करने में असमर्थ क्यों होता है?

दरअसल, किसी खास समयावधि में सीखना कुछ महत्वपूर्ण बातों पर निर्भर करता है। पहली बात, ध्यान और फोकस। यह एक अमूल्य मानसिक संसाधन है, और यदि हम ध्यान नहीं देंगे, तो हम सीख नहीं पाएंगे। दूसरी बात, दृढ़ता। सभी शिक्षार्थी तभी सीखने और समझने में सफल होते हैं, जब वे सफलता के लिए दृढ़ होते हैं। तीसरी, भावनात्मक स्थिति। हमारे उत्साहित होने, ऊबने या उदास होने का सीधा असर हमारे सीखने की क्षमता पर पड़ता है। चौथी, प्रेरणा, यानी सीखने की इच्छा हमें सीखने को प्रोत्साहित करती है। बच्चा कुछ सीख सके, इसके लिए शिक्षक बच्चों में ध्यान व दृढ़ता पैदा करने की योजना बनाते हैं और भावनाओं व प्रेरणा को समझते व उनका प्रबंधन करते हैं। यह काम ऑनलाइन नहीं हो सकता।

शिक्षकों की भौतिक उपस्थिति इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि अलग-अलग शिक्षार्थी सुनने, बात करने, देखने, अनुभव करने जैसे तरीकों से अलग-अलग सीखते हैं। इसमें सामाजिक संपर्क कारगर होता है। और, यह भी ऑनलाइन संभव नहीं है। यही कारण है कि ऑनलाइन व्यवस्था अच्छी शिक्षा के लिए जरूरी बुनियादी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती, इसीलिए इसका बहुत सीमित प्रभाव पड़ता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मणिपुर के जख्मों पर मरहम लगाने का वक्त

गुरबचन जगत

पिछले दो महीनों से ज्यादा वक्त से मणिपुर उबाल पर है और लगता है नफरत का ज्वालामुखी अभी भी आग और जहर उगल रहा है। मैं वहां कुछ वक्त रहा हूं (2008-13) और वहां की खूबसूरत वादियों, पहाड़ों और वन अंचल की यादें अभी भी जहन में ताज़ा हैं। मैं अभी भी वहां की वनस्पति व प्राणियों की मौजूदगी महसूस करता हूं वहीं लोकतक झील का सुरम्य अक्स अभी भी आंखों के सामने घूमता है। किसी और से ज्यादा, वहां के लोग, जोकि नाना जनजातियों का गुलदस्ता है और जिनकी जीवनशैली, रिवाज और धर्म अलहदा हैं, स्मृति में हैं। वहां लगता है मानो वक्त ठहर चुका है और अपने पुरखों की भांति लोग सरल जिंदगी जीते हैं। छोटे नगरों और इम्फाल में आधुनिकता के कुछ चिन्ह जरूर दिखाई देते हैं, वरना शेष परिदृश्य ठिठके हुए समय-सा है।

मणिपुर में आप समय की धुंध में खो जाते हैं और बाकी जगह पर व्याप्त जिंदगानी की तेज दौड़-भाग बिसर जाती है। एक समाज, जिसका पुराने तौर-तरीकों से नयों की ओर रूपांतर बहुत धीमा है, जहां भारतीय प्रशासन के वजूद का अहसास शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में ज्यादा दिखने की बजाय तैनात सुरक्षा बलों की दृश्यावली से अधिक होता है। अधिकांशत: अपने हाल पर छोड़ दिए जाने के कारण, ग्रामीण मणिपुर अभी भी अपनी पुरानी रिवायतों को जिंदा रखे हुए है, चाहे यह कला एवं शिल्प हो, जड़ी -बूटियों का प्राचीन ज्ञान हो या विरासती लोकगीत-नृत्य या मंदिर शैली अथवा जनजातीय विभेद। वे शांतिप्रिय लोग, जिनका तसव्वुर आज भी मेरे ज़हन में, रिवायती परिधान पहनकर अपने इष्ट की उपासना के लिए मंदिर या चर्च जाते हुओं का है, उन्हें हो क्या गया है? मानो एक लावा है, जो पिछला सबकुछ लील गया है। हालांकि उनकी मौलिक प्रवृत्ति हमेशा दिखाई देती थी, सतह के नीचे व्याप्त आपसी जनजातीय विद्वेष सदा धधकता प्रतीत होता था और जनजातीय लोगों ने अपने-अपने इलाके भी चिन्हित कर रखे थे और वे इसका पालन करते थे, हालांकि कुछ जगहों पर अंतर-प्रवास भी रहा है। यही वे इलाके हैं, जो मौजूदा हिंसा का सर्वप्रथम निशाना बने।

यहां मैं किसी पर अंगुली उठाने या इल्जामबाजी में नहीं पड़ना चाहूंगा। आज मैं घटनास्थल से काफी दूर हूं और वही जान पा रहा हूं, जितना और जो मीडिया दिखाना चुने। नहीं मालूम कि यह क्रिया है या प्रतिक्रिया, इरादतन है या अनजाने में हुआ कृत्य। क्या कार्यपालिका की असफलता है या न्यायापालिका का अतिरेक? जो भी है, इसने 'लड़ने को उद्यत श्वान' खुले छोड़ दिए, परिणाम में कत्लोगारत हुआ और अभी भी जारी है। एक बार फिर, चूंकि वास्तविक आंकड़ों तक मेरी पहुंच नहीं है, इसलिए मीडिया खबरों के मुताबिक सौ से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं, हज़ारों घर और कई गांव जला या तोड़ दिए गए, संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। पशुधन, जोकि जीवनयापन का महत्वपूर्ण जरिया है, पक्का है वह भी लुट चुका होगा। लगता है सरकारी संपत्ति भी निशाना बनी है। जो तथ्य तमाम तर्कों को झुठलाता है, वह यह कि सूबे भर में थाने और पुलिस शस्त्रागारों को निशाना बनाया गया और हजारों बंदूकें और भारी मात्रा में गोलियां लूट ली गई हैं। यह काम तो पंजाब, जम्मू-कश्मीर में, दिल्ली और गुजरात में सबसे बदतर स्थिति में भी नहीं हुआ था। इस लिहाज से, वर्दीधारी हो या आम नागरिक, यह बात किसी की भी समझ से बाहर है। मुझे यकीन है लूटे गए हथियार बलवाइयों के बहुत काम के रहे। लगता है सरकार की बारम्बार अपीलों के बावजूद लुटे शस्त्रों में अधिकांश वापस नहीं किए गए। भविष्य में भी इनसे राज्य में सुरक्षा बलों को खतरा बना रहेगा।

अब बात उन हजारों लोगों की, जिन्होंने न केवल अपने परिजनों को खोया है बल्कि अपने घर, पशुधन और जीवनयापन का जरिया भी। हजारों लोग बेघर हुए हैं और वादी और पहाड़ों के गांव वालों को पड़ोसी सूबे या अस्थाई शरणार्थी शिविरों में पनाह लेनी पड़ी है। शायद कुछ लोग सीमा पार करके म्यांमार भी चले गए हों। जो कुछ हिंसा की पहली लहर में बचा भी होगा वह भी बाद में अवश्य खत्म हो गया होगा। आनन-फानन में बनाए गए शरणार्थी शिविरों में हालात कहां रहने लायक होंगे। जो सरकार सुरक्षा के सबसे मूलभूत चिन्ह यानि थाने को नहीं बचा पाई, उससे गुणवत्तापूर्ण राहत शिविरों की अपेक्षा कहां हो सकती है। मुझे नहीं मालूम कि राज्य प्रशासन का हुक्म फिर से कहां तक कायम हो पाया है और क्या राहत शिविरों में गतिविधियों की निगरानी करने के काबिल है या नहीं? यह काम युद्धस्तर पर करना होगा मसलन खाद्य, आश्रय, साफ-सफाई, दवाएं, चिकित्सक इत्यादि का प्रबंध। यह प्रबंधन बहुत बड़ा है और मैं उम्मीद एवं प्रार्थना करता हूं कि राज्य सरकार अपना फर्ज निभाने में खरी उतरे। यह उनका सूबा है और लोग भी, जिनकी सेवा करने की शपथ उसने उठा रखी है। वर्तमान शरणार्थी शिविरों और आपातकालीन उपायों से परे देखें तो उजड़े नागरिकों को पुन: बसाने का काम बहुत विशाल होगा। घाटी और खासकर पहाड़ी इलाके के लोगों के पास भरण-पोषण के संसाधन बहुत कम होते हैं। हम उन्हें हमेशा शरणार्थी शिविरों में बंद करके नहीं रख सकते, न ही वे पड़ोसी राज्यों में अपने रिश्तेदारों पर ज्यादा वक्त बोझ बन सकेंगे। उन्हें अपने मूल निवास पर लौटना ही होगा, जहां बनी परिस्थितियों के कारण पलायन करना पड़ा है। यह पुनर्वास का कार्य है जो हमारे राष्ट्र और मणिपुर सरकार का इम्तिहान है। इससे पहले, जब भी, जहां भी ऐसी त्रासदियां हुई हैं और परिणामस्वरूप लोगों का पलायन हुआ है, हम उन्हें मूल स्थान पर पुन: स्थापित करने में विफल रहे हैं। बड़े सूबों और शहरों में, लोग उजड़ने के बाद, किसी तरह जीवनयापन के वैकल्पिक ठोर ढूंढ़ लेते हैं, भले ही वह पहले जितना न हो। लेकिन मणिपुर एक छोटा राज्य है, वहां के लोग घाटी और पहाड़ों पर रहने के आदी हैं।

मोहब्बत की दुकान और नफरत की मंडी

कहते हैं कि समय के साथ शब्दों के हाव-भाव और महत्व भी बदलते रहते हैं। अब 'प्यार' शब्द को ही लीजिये। यह प्यार शब्द जीवन के सबसे महत्वपूर्ण आयामों को परिलक्षित एवं परिभाषित करने वाले शब्दों में से एक होता है। हालांकि, इस शब्द का उपयोग बाल्यावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक प्राय: हर उम्र में किया जाता है, लेकिन युवावस्था यानी यौवन की दहलीज पर चढ़ते ही इसके व्यवहार, तात्पर्य, महत्व और मानदंड आदि बिल्कुल बदल जाते हैं। यौवन का यह 'प्यार-मोहब्बत' हमारे पूरे जीवन पर ऐसी गहरी छाप छोड़ जाता है, जो आजीवन मिटाये नहीं मिटता। यह यौवन किसी के जीवन में थोड़ी जल्दी आ जाता है तो किसी के जीवन में विलम्ब से आता है। इसी प्रकार यह किसी पर से जल्दी उतर जाता है तो किसी पर बहुत देर तक चढ़ा रहता है और कभी-कभी तो कुछ लोगों पर से यह उतरने का नाम ही नहीं लेता। विशेषकर वीआईपी लोगों पर, उनमें भी राजनीतिक वीआईपी लोगों पर यौवन थोड़ा अधिक ही मेहरबान रहता है।

इसीलिए तो उम्रदराज राजनीतिक वीआईपीज भी हंसते-मुस्कुराते प्यार-मोहब्बत का बोझ अपने सिर पर उठाये फिरते हैं। पहले के जमाने में प्यार को बहुत कठिन और जोखिमभरा कार्य माना जाता था। तभी तो नायिकाएं चेताती रहती थीं 'बाबुजी धीरे चलना प्यार में जरा संभलना बड़े धोखे हैं इस राह में।' लेकिन फिर युग बदला और प्यार के तात्पर्य, महत्व और मानदंड बदले। पहले जहां प्यार में वीआईपीज़ की सफलता गारंटिड मानी जाती थी, वहीं अब इसमें छोटी आय और कम रुतबे वाले लोगों के लिए भी भरपूर संभावनाएं मौजूद हैं। इसी प्रकार पहले जहां लोग अपने प्यार-मोहब्बत को छिपाकर रखते थे, वहीं अब इसे सार्वजनिक रूप से सेलिब्रेट करना प्रतिष्ठा का सूचक माना जाने लगा है। यही नहीं, पहले जहां एक ही प्यार में लोग हिमालय पहाड़ चढ़ने-सा हांफने लगते थे, वहीं अब लोग प्यार करने में गिनती नहीं करते। मानो प्यार नहीं सामान हो गया, जेब की क्षमता और उपयोग की इच्छा के अनुसार खरीद लिया।

वैसे ठीक ही है, क्योंकि अब तो प्यार-मोहब्बत का संबंध दिल से कम, दुकानों से अधिक होने लगा है। तभी तो लोग आजकल खुशी से इसकी दुकानें सजाने लगे हैं, लेकिन एक बात अब तक समझ में नहीं आई कि प्यार-मोहब्बत की दुकानें सजाने के लिए भला नफरत की मंडी लगाने की क्या आवश्यकता है। एक हकीकत यह भी कि प्यार कम अथवा नहीं होने पर भी नफरत के मुकाबले में वह दिखाई वास्तविकता से अधिक पड़ता है। इसीलिए आजकल प्यार-मोहब्बत का प्रदर्शन करने वाले लोग नफरत की मंडी अपने साथ ही लेकर चलने लगे हैं, क्योंकि क्या भरोसा, जहां वे जा रहे हैं, वहां नफरत की मंडी मिले, न मिले।

चेतनादित्य आलोक

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

पोटियाकला के 116 और गणपति विहार का पीएम आवास कार्य प्रारंभ

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत मोर मकान-मोर आस के आवेदको तथा हितग्राहियों के लिए खुशखबरी है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने जानकारी देते हुए कहा कि दोनों स्थलों में निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य तीव्रता के साथ किया जा रहा है. संभावना है कि आगामी तीन माह में यह दोनो परियोजना स्थल पूर्ण हो जाएगें पात्र आवेदकों से अनुरोध करते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जल्द से जल्द प्रथम किश्त की राशि डाटा सेंटर में जना करते हुए लॉटरी हेतु नाम सुनिश्चित कराए, 14 जून 2023 को तृतीय लॉटरी में 85 लोगों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया गया । कुल 153 हितग्राहियों को मोर मकान-मोर आम अंतर्गत आवास आबंटन किया गया है।सहायक नोडल अधिकारी जितेन्द्र समैया ने फार्चून हाईट्स के सभी 36 हितग्राहियों से अपील किया है कि शत प्रतिशत हितग्राही अंशदान की राशि 07 दिनों की अवधि में करें ताकि आवास का आधिपत्य सौंपा जा सके, इसके लिए डाटा सेंटर में ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। यदि 10 दिनों की अवधि में संपूर्ण हितग्राही अंशदान की राशि जमा नहीं की जायेगी तो आवंटन रद्द करते हुए पात्र सूची में से अन्य आवेदकों को आवास आबंटन की कार्यवाही की जायेगी।

निगम द्वारा आवारा पशुओं की धरपकड़, सड़कों पर छोड़ने वाले पशु पालकों के खिलाफ होगी कार्रवाही

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों की धरपकड़ की गई।कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के आदेश पर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने सम्बन्धित अधिकारी को यह निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को बाजार अथवा सार्वजनिक गली/स्थानों व सड़को पर धूमते नजर आने पर तुरंत पकड़कर शहरी गौठान में रख रखाव के लिए सपुर्द करें।उन्होंने अधिकारी को निर्देश दिया कि पशुपालन अपने पशुओं को सड़कों पर न छोड़े। ऐसे में पशु पालकों को समझाइस भी दें। इसके बाद भी जानवर सड़कों पर दिखे तो संबंधित पशु पालकों से जुर्माना वसूली की कार्रवाही करें। निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने पशु पालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को बाजार,सार्वजनिक जगह,गली एवम सड़को में इधर उधर न घूमने दे।उन्होंने ये भी कहा कि निगम क्षेत्र में विचरण करने वाले आवारा पशुओं की धड़पकड़ नियमित रूप से करें।सड़को पर आवारा घूमने वाले पशु जो यातायात में बाधक बनकर दुर्घटना का कारण बनते है,जिससे होने वाली दुर्घटना में पशुधन व जनधन दोनो की हानि होती है।अतिक्रमण अमला द्वारा नगर निगम क्षेत्र में घूमने वाले आवारा पशुओं की धरपकड़ कर रही है। इसके बाद भी दोबारा पशु पालक के पशु घूमते सड़कों पर पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

खुर्सीपार में बन रही दुर्ग जिले की पहली डिजिटल लाइब्रेरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार श्रीराम चौक के पास दुर्ग जिले का पहला डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जा रही है। करीब 48 लाख की लागत से बन रहे इस डिजिटल लाइब्रेरी से युवाओं और पुस्तक प्रेमियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। जो विद्यार्थी आईएएस से लेकर रेलवे, बैंक, एसएससी आदि परीक्षा की तैयारी कर रहे है। ऐसे युवाओं को अपने लक्ष्य की तैयारी करने में यह लाइब्रेरी पूरी तरह से लाभदायक साबित होगा।

निःशुल्क मिलेंगी यूपीएससी, सीजी पीएससी, रेलवे, बैंक, एसएससी की किताबें

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहले से इस डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। भवन बन कर तैयार हो गया। अब अन्य जरूरी सुविधाओं को डेवलप किया जा रहा। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव अपने विजन से शहर के विकास के साथ ही शिक्षा और खेल जगत में भी विकास की नई नई गाथाएं रच रहे हैं। शहर के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। इसके लिए सभी जरूरी सुविधाए उपलब्ध कराई जा रही है।

लाइब्रेरी में होंगी लाखों ई बुक्स

युवाओं और बच्चों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रख कर विधायक देवेंद्र यादव ने शहर में एक भव्य और सर्व सुविधा युक्त डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की योजना बनाई है। जो अब मूर्त रूप ले चुका है। इस लाइब्रेरी में लाखों ई बुक्स रहेगी।

सीजीपीएससी, यूपीएससी जैसे बड़े एग्जाम से लेकर बैंक, रेलवे, पटवारी, पुलिस आदि विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में जरूरी किताबें भी युवाओं को यहां बड़ी आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा कोर्स से संबंधित किताबें भी होंगे। ताकि युवाओं, छात्र-छात्राओं को जरूरी सभी प्रकार की किताबें यहां उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा यहां अन्य सभी प्रकार की किताबें भी यहां होगी।

सामान्य लाइब्रेरी भी होगी

डिजिटल लाइब्रेरी के साथ ही यहां सामान्य लाइब्रेरी भी होगी। लाइब्रेरी भवन दो मंजिला होगा। भवन भी सर्व सुविधा युक्त होगा। भवन पूरी तरह से एयर कंडिशनर रहेगा। गाड़ी मोटर की आवाज अंदर ना जाए और बच्चे अंदर लाइब्रेरी के शांत माहौल में बैठ कर आराम से पढ़ाई कर सकें। इसकी भी पूरी सुविधाएं होगी। जल्द ही भवन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद यहां अन्य सुविधाएं को लेकर काम शुरू किया जाएगा।

वाई फाई की भी सुविधा होगी

डिजिटल लाइब्रेरी में सभी प्रकार की सुविधाएं है। जैसे वर्तमान समय में सबसे जरूरी वाईफाई की भी सुविधाएं होगी। ताकि बच्चे आसानी से ई बुक्स पढ सकें। इसके अलावा यहां प्रिंटर आदि की भी सुविधाएं होगी। ताकि विद्यार्थी चाहे तो जरूरी कोर्स की पुस्तक आदि प्रिंट कर सकें। लाइब्रेरी से 10 लाख से अधिक ई बुक्स होंगे।

पढ़ाई बेहद जरूरी

लाइफमें पढ़ाई बहुत जरूरी है। किताबें सबसे अच्छे मित्र होते है और हम सब को लाइफमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है। हमारी जिम्मेदारी है कि हमारे शहर के बच्चे पढ़ लिख कर तरक्की करें। देश और दुनिया में हमारे शहर और प्रदेश का नाम रौशन करें। उनकी शिक्षा में कोई कमी ना हो, पढ़ाई अच्छे से कर सकें। सभी तरह की पुस्तकें बड़ी आसानी से पढ़ने के लिए मिल सकें। इसी उद्देश्य से डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण करवा रहे है।

देवेंद्र यादव, विधायक भिलाई

घर से दूर रह रहीं बच्चियों को मिली पाठ्य सामग्री तो खिल उठे चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सामाजिक संस्थान गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित संजीवनी बालिका छात्रावास में बच्चो को स्टेशनरी सामग्री वितरित की। अपने घर से दूर रह कर पढ़ाई कर रहीं इन बालिकाओं को पाठ्य सामग्री मिली तो सभी के चेहरे मुस्कान के साथ खिल उठे। संजीवनी बालिका छात्रावास में यह पांचवा वर्ष था जब स्कूल का नया सत्र शुरू होने पर छात्रावास की तमाम बालिकाओं को नोटबुक, स्कूल बैग, स्टेशनरी सामग्री वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडेय डीएमसी (समग्र शिक्षा अभियान) और जे.मनोहरन एडीपीओ (समग्र शिक्षा अभियान) ने बालिकाओं को नए सत्र की शुरुआत की बधाई देते हुए छात्रावास के घरेलू माहौल में मन लगाकर पढ़ाई करने और बेहतर अंक

लाने की प्रेरणा दी। जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लै ने संस्था के किये गए कार्यो के बारे में बताया और भविष्य में भी संजीवनी होस्टल के बच्चों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पाठ्य सामग्री प्राप्त करने वाली बच्चियों ने जीई फाउंडेशन का आभार जताया।

15 हितग्राहियों को मिला आवासः बेटे से निकलवाया लॉटरी, मिला ग्राऊंड फ्लोर में आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम के लक्ष्मीनगर में बने प्रधानमंत्री आवास का आवंटन लॉटरी निकालकर किया गया। एक हितग्राही ने अपने तीन साल के मासूम बेटे से लॉटरी पर्ची निकलवाया। उसे भूतल में आवास मिला। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में 15 हितग्राहियों को आवास आवंटन किया गया।

मोर मकान मोर आस घटक के तहत नगर पालिक निगम रिसाली के लक्ष्मीनगर में बने आवास का आवंटन आयुक्त आशीष देवांगन के मार्गदर्शन में किया गया। हितग्राहियों की संख्या कम होने की वजह से 36 आवास में केवल 15 का आवंटन किया गया।

महापौर की अध्यक्षता में निकाली गई लॉटरी में हितग्राहियों ने स्वयं आवास क्रमांक की पर्ची निकाली। एक हितग्राही ने अपने अबोध बेटे से पर्ची निकलवाया।

उसे ग्राऊंड फ्लोर में आवास मिला। इस अवसर पर महापौर ने रिसाली निगम में प्रथम बार हुए आवास आवंटन के लिए हितग्राहियों को बधाई दी। प्रक्रिया में विशेष रूप से महापौर परिषद के सदस्य अनुप डे, पार्षद संजू नेताम, निगम सचिव रोहित साहू, प्रधानमंत्री आवास के जीवन ताम्रकार, आदित्य शर्मा, राजकुमारी बघेल आदि उपस्थित थे।

इन्हे मिला आवास

गिरेन्द्र कुमार चन्द्राकर, रामकुमार साहू, खिलेश महानंद, योगेश्वरी देशमुख, शेखर प्रसाद देशमुख, विभा सिंह, सोहन लाल कसेर, देवेन्द्र कुमार यादव, ज्ञान सिंह ठाकुर, सुनैना मेश्राम, पवन कुमार, नंदेश्वर, चन्द्रहास साहू, संतुराम ठाकुर, कमलेश बाई ठाकुर।

उल्लेखनीय है कि लक्ष्मीनगर में 36 आवास बनाए गए है। 15 हितग्राहियों द्वारा अग्रिम 10 प्रतिशत राशि 36100 रूपए जमा कर पाए थे। निर्धारित समय पर राशि जमा करने वालों का नाम लॉटरी में शामिल किया गया था। शेष आवास का आवंटन दूसरे चरण में की जावेगी।

विधायक व महापौर ने हरी झंडी दिखाकर पौधा वितरण वाहन किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के वातावरण को स्वच्छ एवं शुद्ध पर्यावरण के लिए छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की महती योजना पौधा तुहर दुआर गुरुवार सुबह 10 बजे वनमण्डल कार्यालय दुर्ग में शुभारंभ किया । इस अवसर पर शहर के विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा,नगर निगम भिलाई के कमिशनर रोहित व्यास,उप वन मण्डलाधिकारी, मोना महेश्वरी, एमआईसी सदस्य जयश्री जोशी, एल्डरमेन राजेश शर्मा, कृष्ण देवांगन, मनीष यादव, परिक्षेत्र अधिकारी दुर्ग एवं दुर्ग वनमण्डल के अलावा वृत्त कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर शहर विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर इस योजना का शुभारंभ कर पौधा वितरण वाहन को रवाना किया गया। इस अवसर पर वनमण्डल कार्यालय के परिसर में दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा, भिलाई आयुक्त रोहित व्यास द्वारा पौधा रोपण किया गया। दुर्ग वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक बी.पी. सिंह द्वारा इस अवसर पर क्यू. आर. कोड के माध्यम से निशुल्क पौधा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन प्रणाली का शुभारंभ किया गया। पौधा तुहर

दुआर 2023 योजना 6 जुलाई से 5 अगस्त 2023 तक संचालित होगी। इसके अंतर्गत बांस, कटहल, महुआ, अर्जुन (कहुआ), जामुन, अमरूद, करंज, बहेड़ा, नीम, आंवला, कचनार, ईमली, कुसुम, सीताफ्ल एवं अन्य प्रजातियों के प्रति व्यक्ति अधिकतम 10 पौधे नि:शुल्क प्रदान किये जायेंगे। योजना अंतर्गत पौधे प्राप्त करने हेतु कोई भी व्यक्ति वनमण्डल के दूरभाष क्रमांक 07882327531 में कार्यालयीन समय में कॉल कर, क्यू आर कोड को स्कैन कर, दुर्ग वनमण्डल की वेबसाईट के माध्यम से आवेदन कर संबंधित क्षेत्र के नर्सरी में कॉल कर एवं पौधा वितरण वाहन द्वारा सीधे पौधे प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्षेत्रवार नर्सरी प्रभारियों का मोबाईल नम्बर- क्षेत्र दुर्ग शहर एवं भिलाई तालपुरी नर्सरी - 7000894784, दुर्ग ग्रामीण पुलगांव नर्सरी-6268450027, पाटन क्षेत्र सिकोला नर्सरी-9907987590 धमधा, कुम्हारी पिटौरा नर्सरी-8319832662 साजा, बेमेतरा धनगांव नर्सरी-7489273551 कॉल कर पौधा प्राप्त किया जा सकता है।

डीएफओ शशि कुमार ने जानकारी में बताया की अभियान के तहत एक व्यक्ति को उनकी मांग पर 10 पौधा घर पहुंचा कर दिया जाएगा। पौधा शनिवार और रविवार को लोगों के घरों तक पहुंचाया जाएगा। यह अभियान 1 महीने तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने घर के आस-पास या अपनी भूमि पर वृक्षारोपण करने की मंशा रखते हैं उन्हें ऑन डिमांड 10 पौधों का वितरण किया जाएगा।

105 दिव्यांगजनों का हुआ स्वास्थय परीक्षण

दुर्ग। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की शारीरिक समस्याओं को कम करने एवं उनकी गतिशीलता में वृद्धि करने हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार जिले के समस्त विकास खण्डों में शल्य क्रिया एवं कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण वितरण हेतु चिन्हाकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण शिविर का आयोजन प्रत्येक विकासखण्ड में किया जा रहा है। इसी कड़ी में 06 जुलाई 2023 को शासकीय प्राथमिक शाला पुरई, वि.ख. दुर्ग में चिन्हांकन, मुल्यांकन, परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आयोजित शिविर में कुल 105 दिव्यांगजनो का चिन्हांकन, परीक्षण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग श्रीमती पुष्पा भुनेश्वर यादव, महापौर नगर पालिक निगम रिसाली श्रीमती शशि सिन्हा सहित आदि लोग थे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 4 परिवारों के लिए 16 लाख रूपये की आर्थिक सहायता मंजूर

रायपुर। राज्य शासन द्वारा धमतरी जिले के प्राकृतिक आपदा से पीड़ित चार परिवारों के लिए चार-चार लाख रुपए प्रति परिवार के मान से 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी के द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को 16 लाख रुपए की आर्थिक सहायता के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत तहसील भखारा के ग्राम मंडेली की सरस्वती साहू की आग से जलने से मृत्यु होने के फलस्वरूप उनके पति धर्मेन्द्र साहू को, ग्राम देवरी के नारायण बैस की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी दामिनी बैस को, ग्राम भैंसबोड़ के भूषण साहू की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी धनेश्वरी साहू को और ग्राम सिहाद के लोकेश कुमार रात्रे की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी लक्ष्मी रात्रे को चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 11 और 12 जुलाई को

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर जिले में संचालित गैर आवासीय हॉकी, तीरंदाजी, फुटबॉल (बालिका) एवं एथलेटिक्स अकादमी हेतु खिलाड़ियों का चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है जिसमे फुटबॉल (बालिका) एवं तीरंदाजी खेल का दिनांक 11 जुलाई 2023 तथा हॉकी एवं एथलेटिक्स खेल का 12 जुलाई 2023 को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा रायपुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैदान रायपुर में किया जावेगा। चयन ट्रायल में सम्मिलित होने हेतु स्थानीय खिलाड़ी ऑनलाइन पंजीयन इस लिंक https://forms.gle/6DxFVCsPPo7oTRFe8 से कर सकते हैं।

नलकूप गहरीकरण के लिए 22 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत

रायपुर (ए)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देश पर राज्य के ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के कम जल स्तर वाले 17 गांवों में नलकूप गहरीकरण के लिए 22 लाख 67 हजार 8 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। जिसके अंतर्गत कोरबा जिले के करतला विकासखंड के धमनागुड़ी, खरवानी, ढोढ़ातराई, बरपाली, बुढ़ियापाली, बैगापाली, कापूपहरी, केराकछार, चिकनीपाली, चिचोली, ढ़ेगुरडीह, गिधौरी, पचपेड़ी, पुरैना (मड़वारानी), सरगबुंदिया, नोनबिर्रा और नवापारा गांव के साधारण गहरे नलकूप शामिल हैं।

मेटा डेटा के जरिए शोध को नई दिशा दे चिकित्सा शिक्षक: मनसुख मांडविया

एम्स में बनेगा क्रिटिकल केयर ब्लॉक, एक ही स्थान पर गंभीर रोगियों को मिलेंगी सभी सुविधाएं

रायपुर (पीआईबी)। केंद्रीय स्वास्थ्य-परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक की आधारशिला रखी। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 150 बैड के इस ब्लॉक में अति गंभीर रोगियों को एक ही स्थान पर सभी चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने भारतीय चिकित्सा प्रणाली को दुनिया की श्रेष्ठ चिकित्सा प्रणाली बताते हुए कहा कि अब चिकित्सकों को डेटा कंपाइलेएशन और मेटा डेटा के ऊपर शोध कर स्वयं में आत्मविश्वास का एक नया स्तर प्राप्त करना होगा।

एम्स के गेट नंबर एक के पास स्थित आयुष बिल्डिंग के सामने सीसीएचबी की आधारशिला रखते हुए डॉ. मांडविया ने बताया कि इसकी मदद से प्रदेश के रोगियों को वृहद स्तर पर चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने पोस्ट कोविड वातावरण में सरकार द्वारा चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि अब जिला और ब्लॉक स्तर पर सभी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की कोशिश की जा रही है।

एम्स के चिकित्सा शिक्षकों के साथ संवाद में उन्होंने कहा कि मंत्रालय प्रयास कर रहा है कि स्थापित एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक अन्य एम्स में कुछ माह के लिए शिक्षण कार्य के लिए जाएं ।

उन्होंने कहा कि भारत में चिकित्सा एक पेशा नहीं बल्कि सेवा का माध्यम माना जाता है। कोविड काल में चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टॉफ ने भारत के इस सेवा मॉडल को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर एक नया गौरव हासिल किया है। उन्होंने कहा कि एम्स ने चिकित्सा सेवाओं के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं जिसे आगे ले जाने की आवश्यकता है। डॉ. मांडविया ने चिकित्सा शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शोध और नवोन्मेष की ओर ध्यान केंद्रित करें। भारतीय चिकित्सक दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं, इस आत्मविश्वास के साथ वे दुनिया को एक नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

इस अवसर पर सांसद (रायपुर) सुनील सोनी और सांसद (राज्यसभा) सरोज पांडेय भी उपस्थित थीं । निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि नए ब्लॉक में 150 बैड्स, आईसीयू, एचडीयू, जांच सुविधाएं और सीटी स्कैन जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसे कोविड जैसी महामारी के साथ पृथक रूप से भी प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि नए ब्लॉक से प्रदेश के रोगियों को काफी लाभ मिलेगा।

छात्रों के साथ एक अन्य संवाद कार्यक्रम में उन्होंने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर पनप रही आशंकाओं का जवाब देते हुए कहा कि मंत्रालय का प्रयास है कि छात्रों को प्रतिस्पर्द्धी माहौल प्रदान किया जा सके जिससे वे देश के साथ विदेश में भी अपने सेवाएं प्रदान कर सकें। उन्होंने कहा कि आठ साल में मंत्रालय ने चिकित्सा शिक्षा की सीट्स दो गुना कर दी हैं। अगले तीन वर्ष में स्नातक के अनुरूप परा-स्नातक की सीट्स कर दी जाएंगी। 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। इसके साथ ही नर्सिंग छात्रों के पाठ्यक्रम में विदेशी भाषाएं भी सम्मिलित करने की योजना है। उन्होंने कोविड काल में किए गए प्रयासों को भारत की समर्थ गाथा बताया और कहा कि यह सभी के सम्मिलित परिश्रम की पराकाष्ठा थी। शीघ्र ही उनकी एक किताब इस विषय पर आ रही है।

सौ रोगों की एक दवा, सुबह-सुबह की शुद्ध हवा: साध्वी

रायपुर (ए)। एमजी रोड स्थित जैन दादाबाड़ी प्रांगण में मनोहरमय चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला में गुरुवार को नवकार जपेश्वरी साध्वी शुभंकरा ने कहा कि अब हमें जागना है। आध्यात्मिक दृष्टि से तो हम वैसे जागते ही रहते हैं पर व्यवहारिक जीवन में हम रोज सुबह नींद से जागते हैं। चातुर्मास के इन 5 महीनों में हमें जागने का अभ्यास करना होगा ताकि यहां 5 से 25 हो सके। एक वाक्या है 100 रोगों की एक दवा सुबह-सुबह की शुद्ध हवा। हम रोज सुबह मॉर्निंग वॉक करने जाते है क्योंकि हमारी सेहत अच्छी बनी रहे। एमजी रोड स्थित जैन दादाबाड़ी में हर दिन सुबह 8.45 बजे चातुर्मासिक प्रवचन माला का वाचन किया जा रहा है, जिसमें हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु लाभ ले रहे हैं। साध्वीजी कहती है कि हमें सूर्योदय से पहले जागना चाहिए। हर सुबह सूर्योदय हमारे दरवाजे पर भाग्योदय लेकर आता है। सूर्योदय से पहले अगर कोई जाग रहा है तो उसका भाग्य जाग गया समझो और सूर्योदय के समय जो सोया रहता है उसका भाग्य कभी नहीं जाग सकता। जो सूर्योदय के बाद जागता है उसे जीवन में कोई न कोई परेशानी जरूर घेरती है। कुछ लोगों ने यह महसूस भी किया होगा कि दुकान तो अच्छा चल रहा है पर फिर भी कोई ना कोई छोटी-छोटी समस्याएं उनके सामने आ रही है।

जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और छत्तीसगढ़ की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस साल जुलाई महीने की तीसरी तारीख को दुनिया का औसत तापमान 17.18 डिग्री दर्ज किया गया। यह विश्व का अब तक का सबसे अधिकतम तापमान है। वैज्ञानिक इसका कारण एलनीनो और क्लाइमेट चेंज बता रहे हैं। इसका उपाय भी बताया जा रहा है कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर दुनिया रूख करे। अबुधाबी से लेकर फ्रांस तक इसके लिए देशों की शिखर वार्ताएं की जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन के इस बड़े खतरे को देखते हुए निश्चित रूप से दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों की ओर ध्यान देना होगा। जो भी देश इस दिशा में आरंभिक पहल करेंगे, वे इस दिशा में अग्रणी रहेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हमेशा से परंपरा से संचयित ज्ञान को महत्व देते हैं और हमारे पूर्वजों ने जो कृषि परंपरा की अच्छी बातें सिखाई हैं उसे वर्तमान में पुन: कृषि में पूरे जोर से स्थापित कराने का श्रेय उन्हें जाता है।

क्लाइमेट चेंज जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ ने देश-दुनिया को अनोखी राह दिखाई है। दुनिया स्वच्छ ईंधन के लिए जीवाश्म ईंधन के बजाय अभी ई-व्हीकल की ओर रूख कर रही है लेकिन लीथियम की सीमित उपलब्धता के चलते यह विकल्प भी लंबे समय तक कारगर नहीं है ऐसे में स्वाभाविक रूप से ऐसे स्वच्छ ईंधन की जरूरत प्राथमिकता में है जो सतत रूप से उपलब्ध हो। छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है जिसने स्वच्छ ईंधन के विकल्प को अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं। उदाहरण के लिए गोबर से बिजली के उत्पादन को लें। जगदलपुर के डोंगाघाट में गोबर से बिजली उत्पादन के लिए पहल की गई है। यह कई मायने में महत्वपूर्ण है। इससे पशुधन का उपयोग उचित तरीके से किया जा सकेगा। स्वाभाविक रूप से गोबर के अधिक

उपयोगी होने से लोग पशुपालन की ओर भी बढ़ेंगे। कृषि से इतर पशुपालन भी आजीविका बढ़ाने की दिशा में कारगर कदम साबित होगा, इससे किसानों की आय में दोगुनी वृद्धि के लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा।

जलवायु परिवर्तन का सीधा असर फसल चक्र पर पड़ेगा। खराब मौसम और मिट्टी की अनुर्वरता ऐसे कारक होंगे जिससे खेती किसानी की राह काफी कठिन हो जाएगी। मिट्टी की ऊर्वरता बचाने जैविक खाद का उपयोग ही एकमात्र विकल्प बचता है। इससे देश में मंहगे फर्टिलाइजर का आयात भी बचेगा। जलवायु परिवर्तन के असर से हो सकता है कि मानसून संक्षिप्त अवधि का हो या टल जाए अथवा सूखा एवं अतिवृष्टि की भी आशंका होती है। ऐसे परिवर्तनों के लिए क्या हम तैयार हैं। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में यह पूछें तो हाँ क्योंकि हमारे यहां की धान की अनेक प्रजाति ऐसी हैं, जो प्रतिकूल मौसमों का सामना कर सकती हैं। अच्छी बात यह है कि इन्हें हमने सहेजकर भी रखा है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है। पौधरोपण के लिए समय समय पर शासकीय अभियानों के चलाये जाने के साथ यह भी जरूरी है कि किसानों को भी व्यावसायिक पौधरोपण के लिए प्रेरित किया जाए। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत व्यावसायिक वृक्षारोपण पर इनपुट सब्सिडी भी शासन द्वारा प्रदान की जाती है। इससे बड़ी संख्या में किसान पौधरोपण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं जो हरियाली की दृष्टिकोण से उपयोगी तो है ही, व्यावसायिक वृक्षारोपण के माध्यम से आय का जरिया भी किसानों के समक्ष खोलता है।

स्वच्छ ऊर्जा के लिए हाइड्रोलिक एनर्जी भी उपयोगी हो सकती है। इसके लिए जरूरी है कि हमारे नदी-नाले जीवंत बने रहें। नरवा योजना ने हमारे नालों को पुनर्जीवित कर दिया है। नरवा योजना के अंतर्गत बनाये गये स्ट्रक्चर से भूमिगत जल का स्तर बढ़ा है और नदियों को भी सदानीरा बनाये रखने में इसकी बड़ी भूमिका है। आने वाला समय विपुल चुनौतियों से भरा है लेकिन इन चुनौतियों में संभावनाएं भी छिपी हैं। स्वच्छ ऊर्जा को लेकर जो पहल छत्तीसगढ़ में की जा रही है उससे निकट भविष्य में बड़ी मात्रा में वैकल्पिक नवीकरण ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हाथकरघा उद्योग का रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान

संजय ने बुनकर के काम से मजबूत की अपनी आर्थिक स्थिति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में हाथकरघा उद्योग का रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है। राज्य में यह उद्योग हाथकरघा बुनाई के परम्परागत धरोहर को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ ही बुनकर समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं को प्रतिबिंबित करता है। हाथकरघा उद्योग एक मुख्य कुटीर उद्योग के रूप में स्थापित है। हाथकरघा उद्योग में रोजगार की विपुल संभावनाओं और हाथकरघा बुनाई की समृद्ध परम्परा, हाथकरघा बुनकरों और हाथकरघा उद्योग को और अधिक बढ़ावा देने के लिये शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित की जा रही है।

सार्वजनिक उपक्रमों में लगने वाले वस्त्र एवं रेडिमेड गारमेंट की पूर्ति छत्तीसगढ़ के बुनकरों के द्वारा उत्पादित हाथकरघा, खादी से वस्त्रों का क्रय करने का अनुरोध सभी विभागों से महाप्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य में हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित ने किया है। विभागों को वस्त्र प्रदाय के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित को नोडल एजेंसी अधिकृत किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ मर्यादित रायपुर से शासकीय वस्त्र क्रय के लिये भण्डार क्रय नियम में आवश्यक प्रावधान किये गये है।

पूरे छत्तीसगढ़ के साथ ही महासमुंद ज़िले में सैकड़ों परिवार बुनकर एवं महिलाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बुनाई एवं सिलाई के माध्यम से रोजगार मिल रहा है। पड़ोसी राज्य ओड़िशा के अलावा महासमुंद जिले के कुछ हिस्सों में भी संबलपुरी साड़ी का उत्पादन किया जाता है। सरायपाली क्षेत्र के ग्राम अमरकोट, कसडोल सहित कई गांवों के बुनकर परिवार मिलकर हाथ से बुनाई कर संबलपुरी साड़ी बनाने का काम करते है।

सरायपाली के ग्राम सिंघोड़ा के संजय मेहेर 40 साल से यह परम्परागत व्यवसाय का कार्य कर रहे। उन्होंने पढ़ाई के दौरान 14 वर्ष की उम्र से बुनकर का काम शुरू किया था। आज उन्हें अपने इस काम में महारथ हासिल है। वे अपने इस बुनकर काम को बखूबी कर अपनी आर्थिक स्थिति पहले से बहुत मजबूत कर ली है। वह कहते है कि अपने बुनकर के हुनर से जमीन, मकान बनवा लिया है। उनके दादा और पिताजी भी इसी कार्य से जुड़े थे। तब वह ओड़िया साड़ी दो नग टाई-डाई साड़ी बुनकर घूम-घूम कर शहर, गांव और देहात में बेचा करते थे।

अब वह 1000 से 10000 टाई-डाई तक की विभिन्न डिजाइन की हाथ से बुनी संबलपुरी साड़ी बनाने का काम करते है। इस प्रक्रिया से साड़ी बनने तक एक सप्ताह तक का समय लग जाता है। हाथ से बनी संबलपुरी साडियों हजारों रुपए में बाजार में बिकती है। आज पहले के मुकाबले साड़ी की कीमत अच्छी मिल रही है। आज 2500-3000 तक एक साड़ी पर आसानी से मिल जाते है। अब कही शहर,गांव में बिक्री के लिए नहीं घूमना पड़ता। आसानी से यही से बिक जाती है। अब यह कला न केवल सरायपाली के लोगों के जीविकोपार्जन का साधन है, बल्कि एक पूरे इलाके की अलग पहचान भी बन गया है।

स्थानीय स्तर पर ग्रामीण महिलाओं को मिल रहा है रोजगार

डॉ. गौरव कुमार सिंह ने टेमरी स्थित रीपा का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के मंशानुरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने एवं उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रीपा का संचालन किया जा रहा है। धरसींवा विकासखण्ड के ग्राम टेमरी में शासन की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी ग्रामीण औधोगिक पार्क रीपा में संचालित गतिविधियों का संयुक्त सचिव एवं नोडल अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह ने जायजा लिया। उन्होंने टेमरी रीपा में चयनित सभी गतिविधियों को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिया गया। वर्तमान में टेमरी के रीपा में

संचालित गतिविधियों में हर्बल गुलाल, रंगोली, फ्लेवर्ड जूस, मिलेट कैफे आदि का कार्य किया जा रहा है, जिसमें कुल 50 महिलाएं कार्यरत हैं। रीपा में उत्पादित सामानों के मार्केटिंग हेतु गणेशा हर्बल गुलाल के साथ अनुबंध किया गया है।

ज्ञात हो कि प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के निर्देशन में रीपा योजना की शुरुआत की गई, जिससे महिलाओं की आय बढ़ी है। गांव में ही रूरल इंडस्ट्रियल पार्क खोले जाने से अब महिलाओं को घर के पास ही स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है। महिलाएं चूल्हे चौके से बाहर निकली हैं और अब अत्याधुनिक मशीन चला रही हैं। महिलाओं को मशीन चलाने की बकायदा ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद आज महिलाएं राज्य की विभिन्न रीपा में पेंट, ईंट, दोना-पत्तल समेत 100 से ज्यादा प्रकार के सामानों का उत्पादन कर रही हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या आपको भी दिनभर लगती है थकान और सताती है नींद, हो सकती है किडनी की बीमारी

स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी है कि शरीर के सभी अंग पूरी तरह स्वस्थ होकर काम करें। लेकिन कई बार जानकारी के अभाव में हम अपने जरूरी अंगों की बीमारी के बारे में जान ही नहीं पाते और बीमार हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही किडनी को लेकर होता है। देखा जाए तो किडनी हमारी बॉडी के बहुत जरूरी अंगों में से एक है क्योंकि ये पूरे शरीर के ब्लड को फिल्टर करने के साथ साथ शरीर को डिटॉक्स करने का जरूरी काम भी करती है। ऐसे में अगर किडनी की बीमार हो जाए तो शरीर कई बीमारियों के साथ साथ ब्लड इंफेक्शन और पॉइजनिंग का भी शिकार हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि किडनी के कमजोर और खराब होने के लक्षणों की पहचान सही समय पर हो सके ताकि शरीर खतरे से बाहर रहे। चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ लक्षणों के बारे में जो किडनी के खराब होने के संकेत देते हैं।

लगातार थकान बने रहना

अगर आपको लगातार थकान रहती है या फिर शरीर में हर वक्त कमजोरी फील होती है तो इसे सामान्य बात समझकर इग्नोर करना सही नहीं है। ये आपकी किडनी के खराब होने का एक प्राथमिक लक्षण हो सकता है। दरअसल जब किडनी सही से काम नहीं कर पाती तो शरीर के डिटॉक्स पदार्थ पूरी तरह से फिल्टर नहीं हो पाते और वो शरीर में ही इकट्ठा होने लगते हैं। ऐसे में शरीर में टॉक्सिन बनने लगते हैं जिससे थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है।

नींद में कमी होना

नींद में कमी होना यानी स्लीप एपनिया भी अस्वस्थ किडनी का संकेत हो सकता है। दरअसल जब किडनी बीमार होती है तो वो शरीर को पूरी तरह से ऑक्सीजन लेने से रोकती है जिससे नींद में काफी कमी आ जाती है। इसलिए अगर आपको नींद नहीं आ रही है या फिर पूरी नींद नहीं ले पाते हैं तो आपको अपनी किडनी का चैकअप जरूर करवाना चाहिए।

स्किन संबंधी दिक्कतें

स्किन संबंधी दिक्कतें भी अनहेल्दी किडनी का संकेत हो सकती हैं। जब किडनी ब्लड को सही से फिल्टर नहीं कर पाती तो टॉक्सिन ब्लड में जमा हो जाते हैं और इससे स्किन संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं। त्वचा पर लाल दाने निकलना, खुजली होना, स्किन का ड्राई होना, ये सभी लक्षण हैं जो बताते हैं कि आपकी किडनी सही से काम नहीं कर रही है।

हाथ पैरों में सूजन आना

अगर हाथ और पैरों के साथ साथ आपके चेहरे पर भी सूजन दिख रही है तो इसे इग्नोर करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि ये किडनी के खराब होने का संकेत है। जब किडनी सही से काम नहीं करती तो वो बॉडी से एक्स्ट्रा नमक यानी सोडियम को फिल्टर नहीं कर पाती और शरीर में वाटर रिटेंशन होने लगता है जिससे हाथ पैरों और चेहरे पर सूजन आ जाती है। कई बार किडनी खराब होने पर आंखों के आस पास सूजन आ जाती है। इसे भी गंभीरता से लेना चाहिए और किडनी की जांच करवानी चाहिए।

निकिता रावल ने रेड आउटफिट में बिखेरा हुस्न का जलवा, फैंस ने की लाइक्स और कमेंट्स की बौछार

एक्ट्रेस निकिता रावल एक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती हैं। वहीं, निकिता रावल ने लेटेस्ट ग्लैमरस आउटफिट के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस निकिता रावल का ये अंदाज फैंस का काफी लुभा रहा है। हॉटनेस और ग्लैमरस अंदाज की मालकिन निकिता रावल फैंस पर कहर बरपाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस निकिता रावल ने रेड कलर की लेटेस्ट आउटफिट में कई बोल्ड पोज दिए। उनकी ये तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। लेटेस्ट हॉट लुक में एक्ट्रेस निकिता रावल अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। निकिता रावल की तस्वीरों में इतनी कामुकता है कि फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर आहें भर रहे हैं। निकिता रावल की तस्वीरें देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं। एक्ट्रेस निकिता रावल इस आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। खूबसूरत दीवा निकिता रावल हिट कॉमेडी फिल्म गरम मसाला में भी नजर आ चुकी हैं। तस्वीरों को देखकर लोग कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस का ये बोल्ड अंदाज देखकर हर कोई मदहोश है। एक्ट्रेस अपनी कातिलाना अदाओं से भरपूर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं दांत इन 5 संकेतों को न करें नजरअंदाज

दांतों में संवेदनशीलता, नसों में संक्रमण और मसूड़ों की बीमारी आदि दर्दनाक समस्याएं पैदा कर सकती हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दांतों की समस्याएं शरीर में होने वाली किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं? मौखिक स्वच्छता का ध्यान रखने से न केवल दांत स्वस्थ रहते हैं, बल्कि हमें समग्र रूप से स्वस्थ रहने में भी मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि दांत सेहत के बारे में क्या-क्या बताते हैं।

दांतों का किटकिटाना हो सकता है स्लीप एपनिया का संकेत

स्लीप एपनिया नींद से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण व्यक्ति को सोते वक्त सांस लेने में मुश्किल होती है और उसकी रात में बार-बार नींद खुलती है। इसके सामान्य लक्षणों में खर्राटे लेना, दांत किटकिटाना और सोते समय सांस लेने में हांफना शामिल हैं। अगर इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर, लीवर की समस्याएं और यहां तक कि मनोभ्रंश जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

पीले मसूड़े हो सकते हैं एनीमिया का लक्षण

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जो आयरन की कमी या फिर शरीर के लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण नहीं करने के कारण होती है। इससे आप काफी कमजोर और थका हुआ महसूस कर सकते हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में पुरुषों की तुलना में एनीमिया का खतरा अधिक होता है क्योंकि वे अधिक आयरन खो देती हैं। एनीमिया के अलावा कई अन्य चिकित्सीय स्थितियों के कारण भी मसूड़े के ऊतकों का रंग हल्का गुलाबी-सफेद हो सकता है।

दांतों का खराब होना किडनी की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

जब किसी को किडनी की बीमारी होती है तो उसे मुंह में समस्या हो सकती है। इसके कारण मुंह में घाव होना, चीजों के स्वाद में बदलाव महसूस होना और पर्याप्त लार नहीं बनने के कारण मुंह सूखना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। जब मुंह सूख जाता है तो यह अधिक अम्लीय हो जाता है, जिससे दांतों में गंभीर सड़न हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप दांत खराब हो सकते हैं।

एचआईवी का लक्षण है ओरल थ्रश

मुंह में फंगल होने की समस्या को चिकित्सक भाषा में ओरल थ्रश कहा जाता है। यह एक तरह का संक्रमण है, जो कैंडिडा नामक फंगस के कारण होता है और इसके कारण मुंह के अंदर घाव और खाना निगलने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। यह संक्रमण एचआईवी से ग्रस्त लोगों में होना सामान्य माना जाता है, इसलिए अगर आपके मुंह में फंगल हो तो इसे हल्के में ना लेकर डॉक्टर से संपर्क करें।

ऑस्टियोपोरोसिस का संकेत हो सकता है दांतों का ढीला होना

हो सकता है कि कुछ लोगों को इस बात का पता न हो, लेकिन हमारे दांतों के आसपास की हड्डी उन्हें सहारा देने के लिए नींव का काम करती है। ऐसे में अगर किसी भी कारणवश ऑस्टियोपोरोसिस होता है तो इसका दांतों की पकड़ पर बुरा असर पड़ता है। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि एक सामान्य छींक आने से कूल्हे, रीढ़ और कलाई में फ्रैक्चर हो सकता है।

क्या आपके भी बाल गुच्छों में झड़ रहे हैं कहीं ये एलोपेसिया की वजह से तो नहीं है?

बालों का झड़ना एक बहुत ही कॉमन सी समस्या है। ये आपके हमारे या दुनिया के हर व्यक्ति के साथ होता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा बाल झड़ना चिंता का विषय है। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जिनके बाल गुच्छों में झड़ते हैं। कंघी करने पर बाल का एक मोटा हिस्सा हाथ में आ जाता है। और ऐसे करके सिर से बाल गायब हो जाते हैं। गंजेपन जैसे पैच बन जाते हैं। दरअसल ये एक बीमारी है इस बीमारी को मेडिकल भाषा में एलोपेसिया अरेटा कहते हैं। आइए जानते हैं इस बीमारी के बारे में विस्तार से।

क्या है एलोपेसिया एरीटा?

एलोपेसिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके बाल पैच में झड़ते हैं। ये कंडीशन तब होता है जब आपकी प्रतीक्षा प्रणाली बालों के रोम पर अटैक करती है। ये किसी के साथ भी हो सकता है। किसी भी लिंग उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। इस समस्या में सिर्फ सिर के बाल ही नहीं बल्कि आइब्रो, पलकें और दाढ़ी के बाल भी प्रभावित हो सकते हैं। पुरुषों में अक्सर बाल किनारे और सामने की ओर से गिरते हैं। महिलाओं के बाल सिर के बीच वाले भाग से झड़ने लगते हैं। महिलाएं तो पूरी तरह से गंजी नहीं होती हैं। लेकिन पुरुष पूरी तरह से गंजे हो जाते हैं।

इस वजह से झड़ने लगते हैं बाल

ये एक ऑटोइम्यून प्रक्रिया है। इसमें प्रतिरक्षा प्रणाली वायरस और बैक्टीरिया से निपटने वक्त गलती से आपके बालों के रोम पर हमला कर देते हैं। इससे बालों का विकास नहीं हो पाता है और बाल बनना बंद हो जाते हैं और इससे बाल झड़ने लगते हैं। डॉक्टर्स के मुताबिक यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती है। लेकिन ये जेनेटिक्स हो सकती है। अगर आपके परिवार में जैसे आपके पिता, भाई, बहन को ये समस्या है तो आगे इसके होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

एलोपेसिया के लक्षण

- एलोपेसिया में बाल झड़ने पर सिर पर गोल-गोल पैच दिखाई देने लगते हैं।
- जब व्यक्ति सोकर सुबह उठता है तो उसके तकिए पर झड़े हुए बाल देखते हैं।
- कई बार शरीर के बाल आइब्रो और दाढ़ी के बाल झड़ने लगते हैं।

क्या है इसका इलाज

एलोपेसिया का वैसे तो कोई इलाज नहीं है लेकिन स्टेरॉइड इंजेक्शन से इसे रोका जा सकता है। इस प्रोसेस को 1 से 2 महीने में दोहराया जाता है। इस समस्या से पीड़ित लोगों का लेजर और लाइट थेरेपी से भी इलाज किया जाता है। वहीं कुछ नेचुरल ट्रीटमेंट जैसे प्याज का रस लगाना, नारियल का दूध लगाना, लैवेंडर के तेल से मालिश करना भी शामिल है।

ब्लॉकबस्टर फिल्म देकर छाईं सोनम बाजवा

एक्ट्रेस सोनम बाजवा की फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 धूम मचा रही है। फिल्म ने 6 दिन में ही 24.30 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म 50 करोड़ का आकड़ा पार करके ब्लॉकबस्टर हिट हो गई है। सोनम बाजवा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री का पॉपुलर नाम बन गई हैं। हालांकि, उनके लिए ये सब आसान नहीं रहा है। एक्ट्रेस ने हिंदी फिल्मों के लिए भी ऑडिशन दिए थे, लेकिन इसमें उन्हें सक्सेस हाथ नहीं लगी थी।

सोनम ने बताया था कि शूटिंग शुरू होने से 6 दिन पहले उन्हें एक हिंदी प्रोजेक्ट से हटा दिया गया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो बॉलीवुड के लिए अभी भी ऑडिशन देती हैं और हिंदी फिल्म में काम करने की इच्छा रखती हैं? इस पर उन्होंने कहा, अगर मैं अब ऑडिशन दूं और ऑडिशन में सफल नहीं हो पाती हूं तो इससे मैं अपसेट नहीं होती हूं। लेकिन पहले छह-सात साल पहले की अपनी जर्नी को देखूं तो इससे मुझे बहुत तकलीफ होती थी। जैसे, मैं यहां फिल्म क्यों नहीं कर रही हूं। या किसी ने फिल्म की शूटिंग से छह दिन पहले मुझे क्यों निकाल दिया? सोनम ने आगे कहा, मैंने एक बहुत बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन फिल्मों की डील साइन की। इसके लिए मैंने प्रॉपर वर्कशॉप की। मैंने फिल्म के लिए कुछ स्किल्स भी सीखे। लेकिन छह दिन पहले उन्होंने कहा कि डायरेक्टर बेहद नर्वस हैं, क्योंकि ये उनकी पहली फिल्म है और आप बहुत शांत हैं। लेकिन अब जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे लगता है, वाह, भगवान ने सचमुच मुझे बचा लिया। उन्होंने कहा था, मैंने कुछ हिंदी फिल्में साइन की। लेकिन किसी न किसी कारण से बात नहीं बन पाई थी। उस वक्त मेरा दिल टूट गया था। मैंने सभी को बता दिया था। मेरे पेरेंट्स को पता था कि मैंने 3 फिल्मों की डील साइन की है। मैं डेब्यू करने जा रही हूं। लेकिन उस वक्त ये छिपा हुआ आशीर्वाद था।

वहीं बता दें कि सोनम अपने स्किन कलर को लेकर भी बुली हुई हैं। उन्होंने बताया था कि मैं बचपन से ही स्किन कलर को लेकर बुली हुई हूं। मैं पंजाबी फैमिली से आती हूं और बहुत गोरी-चिट्टी नहीं हुआ करती थी। कुछ रिश्तेदार मुझे घर ही नहीं बुलाते थे।

शिवा कार्तिकेयन अभिनीत मावेरन का ट्रेलर हुआ वायरल

कार्टूनिस्ट की अपनी रचना के पास होने की एक बिल्कुल नई अवधारणा का दावा करते हुए, शिव कार्तिकेयन अभिनीत मावेरन का पहला आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो गया है और वायरल हो गया है, जिसने रिलीज के एक दिन के भीतर 5 मिलियन हिट हासिल किए हैं। मैडोना अश्विन द्वारा निर्देशित यह फिल्म तेलुगु में महावीरुडु और तमिल में मावीरन के नाम से एक साथ रिलीज होगी। फिल्म शांति टॉकीज के तहत अरुण विश्व द्वारा समर्थित है। ट्रेलर में, शिव कार्तिकेयन एक कार्टूनिस्ट की भूमिका निभाते हैं जो एक राजनेता के पोस्टर को नष्ट कर देता है, जिससे राजनेता मुसीबत में पड़ जाता है। पोस्टर गलती से नायक के जूते में फंस जाता है, लेकिन राजनेता सोचता है कि शिव कार्तिकेयन उसके खिलाफ हैं। ट्रेलर में थोड़ा सस्पेंस है. शिव कार्तिकेयन जब भी आसमान की ओर देखते हैं तो अलग व्यवहार करते हैं और अपने कार्टूनों को जीना शुरू कर देते हैं। ट्रेलर बहुत आकर्षक है, और यह आगे एक अद्वितीय मनोरंजन का वादा करता है। फिल्म में अदिति शंकर, सुनील, मैसस्किन और योगी बाबू भी हैं। यह फिल्म 14 जुलाई 2023 को रिलीज होने वाली है।

वरुण धवन की फिल्म बवाल अमेजन प्राइम वीडियो पर 21 जुलाई को होगी रिलीज

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म बवाल का टीजर बुधवार को रिलीज कर दिया गया है। इसे नितेश तिवारी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। यह वरुण और जाह्नवी की साथ में पहली फिल्म है। यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है। वरुण, जाह्नवी की इस फिल्म का टीजर इमोशन, ड्रामा और प्यार से भरपूर है। टीजर के बैगग्राउंड में सैड सॉन्ग भी सुनाई दे रहा है। टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट की भी अनाउंसमेंट कर दी गई है। फिल्म 21 जुलाई को प्राइम पर रिलीज की जाएगी।

वरुण और जाह्नवी ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का एक सीन शेयर करते हुए बताया था कि फिल्म का टीजर बुधवार को 12 बजे रिलीज किया जाएगा। इस सीन में जाह्नवी प्रिंटेड रेड ड्रेस और वरुण शर्ट-पैंट्स में नजर आ रहे हैं। यह एक रोमांटिक तस्वीर है। दोनों ने ही इस तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा- तुम प्यार करने देते तो कितना प्यार करते.

नितेश तिवारी और साजिद नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म छिछोरे के बाद एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आए हैं। पहले यह फिल्म अक्टूबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म 21 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, नितेश तिवारी ने इस फिल्म के लिए कहा- फिल्म की शूटिंग भारत के तीन लोकेशन और यूरोप के पांच देशों में की गई है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

राज्यपाल हरिचंदन से रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ और चेयरमेन ने की मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में छत्तीसगढ रेडक्रॉस सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम. के. राउत और अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने इस वर्ष रेडक्रॉस द्वारा राज्य में की जाने वाली गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस द्वारा स्थापित रायपुर के ब्लड बैंक अत्याधुनिक न्यूक्लिक एसिड परीक्षण (एनएएटी) मशीन स्थापित किया गया है। जिससे एचआईवी, एचसीवी, एचबीवी, रोगों की पहचान हो सकेगी और हितग्राहियों को इससे लाभ मिलेगा। रेडक्रॉस के मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्री राउत ने राज्यपाल को अवगत कराया कि सभी जिलो में रेडक्रॉस के सदस्यों की संख्या बढ़ाने और रेडक्रॉस के सुचारू संचालन हेतु विधिवत रूप से रेडक्रॉस प्रबंधन समितियों के गठन के लिए जिला कलेक्टरों की विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली गई है। जूनियर और यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। राज्यपाल ने उन्हें इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

जिले के सभी तहसीलों में लगा वृहद राजस्व समाधान शिविर

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर जिले के तहसील स्तर पर विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं लोगों को राजस्व मामलों में राहत दिलाने के उद्देश्य से आज सभी तहसीलों में वृहद राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। जहां एसडीएम, तहसीलदार, आरआई एवं हल्का के पटवारी उपस्थित थे। इसके साथ ही राजस्व शिविर में जिला स्तर पर भी डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, अपर कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। आयोजित वृहद राजस्व शिविर में खाता विभाजन, नामांरतण, किसान-किताब, आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, आरबीसी 6-4, डिजिटल हस्ताक्षर, डायवर्सन कर वसूली, सीमांकन, व्यपवर्तन, भू-अजर्न, राजस्व से संबंधित अन्य प्रकरणों का आवेदन प्राप्त कर मौके पर निराकरण किया गया।
कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि सभी तहसीलों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व शिविर लगाया गया हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है की राजस्व से जुड़े मामलों में जनसामान्य को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और न ही उन्हें अनावश्यक इधर-उधर भटकना न पड़े। इसके साथ ही शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से त्वरित निराकरण करना यही हमारी प्राथमिकता हैं और वृहद राजस्व शिविर का उद्देश्य हैं। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा रायगढ़, पुसौर एवं खरसिया तहसील में आयोजित राजस्व शिविर का निरीक्षण भी किया।

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए त्रुटिहीन निर्वाचक नामावली बेहद जरूरी

सारंगढ़.बिलाईगढ़। जिला प्रशासन द्वारा आगामी विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत करते हुए आज बीएलओ और सुपरवाइजर को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। स्थानीय मैरिज पैलेस में आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी ने कहा कि मतदाता सूची में त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर निर्वाचक नामावली त्रुटिरहित है तो निर्वाचन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संभव हो सकेगा। इसके अलावा कलेक्टर ने प्रारंभिक प्रकाशन एवं अंतिम प्रकाशन, सर्वे फार्म की जानकारी, रूट चार्ट संबंधी समस्या एवं उनमें बदलाव जनसंख्या अनुपात जर्जर भवनों की जानकारी, मतदाताओं के विलोपन एवं मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में जानकारी दी? एवं आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि 18 वर्ष से ऊपर का एक भी व्यक्ति नहीं छूटना चाहिएए सबका नाम निर्वाचन नामावली में होना चाहिए साथ ही वृद्ध मतदाता जिनकी आयु 90 वर्ष से ऊपर है उनके लिए आवागमन की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

जिले में अब तक 158.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 6 जुलाई तक 158.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 249.6 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 52.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 195.6 मिमी, तहसील धमधा में 97.9 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 169.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 184.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 6 जुलाई को तहसील दुर्ग में 0.0 मिमी, तहसील धमधा में 7.0 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 4.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 4.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 8.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने जैव विविधता संरक्षण मॉडल तैयार किया है : भूपेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्री य पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने समग्र दृष्टिकोण से एक अनोखा जैव विविधता संरक्षण मॉडल तैयार किया है। गुजरात में द्वारका के रुक्मिणी मंदिर के पास हरियाली महोत्सव को आज संबोधित करते हुए श्री यादव ने पर्यावरण और उस पर निर्भर प्राणियों के बीच महत्वपूर्ण संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सरकार ने इस संदेश को विश्व स्तर पर फैलाने के लिए मिशन लाइफ शुरू किया है।

पारिस्थितिकी तंत्र की खाद्य श्रृंखला को संरक्षित करके और उसमें सबसे उपर के शिकारियों को सुरक्षित करके महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी प्रणालियों के पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रोजेक्ट डॉल्फिन और प्रोजेक्ट लायन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य और उनके संरक्षण के पारिस्थितिक संकेतक के रूप में मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र और डॉल्फ़िन के महत्व पर जोर दिया।

संरक्षण पहल में बहु-हितधारकों की भागीदारी को आमंत्रित करते हुए श्री यादव ने उद्योगों से हाल में शुरू की गई ग्रीन क्रेडिट प्रणाली में सक्रिय रूप से योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कार्बन पृथक्करण और हरित आवरण को बढ़ाने में उद्योगों की भूमिका और योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी इस संबंध में एक प्रभावी उपकरण है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि गुजरात ने मैन्ग्रोंव इकोसिस्टउम के संरक्षण के लिए पीपीपी मॉडल में असाधारण काम किया है। हालांकि, ऐतिहासिक मैंग्रोव क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें पुनर्स्थापित करने के प्रयासों की आवश्यकता है, जो पहले से ही खराब स्थिति में हैं।

श्री यादव ने मैन्ग्रो व वृक्षारोपण लक्ष्य, मैन्ग्रो व नर्सरियों का स्टॉक, आजीविका के अवसर, प्रचार और पहुंच कार्यक्रम के साथ-साथ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मैन्ग्रो व क्षेत्रों में पर्यावरण-पर्यटन जैसी मुख्य गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया ताकि मैन्ग्रोगव में 30 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने में मदद मिल सके। पर्यावरण मंत्री ने मैन्ग्रोधव के संरक्षण के लिए हाल ही में शुरू किए गए मिष्टी कार्यक्रम और भारत के मैंग्रोव गठबंधन का एक हिस्साव बनने के बारे में सभा को जानकारी दी। उन्होंने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के प्रकाशन की चर्चा की जिसमें भारत में दर्ज मैन्ग्रो व की 500 प्रजातियों की शब्दावली शामिल है।

गणमान्य व्यक्तियों ने मैन्ग्रौव का प्रतीकात्मक वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के तहत वन विभाग और पहचानी गई प्रतिष्ठित कंपनियों के बीच मिष्टी (तटरेखा आवास और मूर्त आय के लिए मैन्ग्रो व पहल) के तहत समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। मैन्ग्रो व सुरक्षा और संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 'वन नायकों' को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात सरकार के पर्यटन, सांस्कृतिक कार्य, वन और पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा, जामनगर और द्वारका की संसद सदस्य पूनमबेन मैडम, राजकोट के विधान सभा सदस्य उदय कांगड, वन महानिदेशक चंद्र प्रकाश गोयल और एमओई एफ्औरसीसी में विशेष सचिव एस.के.चतुर्वेदी, गुजरात के पीसीसीएफ यू.डी. सिंह और गुजरात सरकार के अन्य उच्च वन अधिकारी, एन.सी.सी. और स्काउट; शारदापीठ के पंडित और भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी देखी गई।

निर्वाचन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने विडियो कान्फ्रें सिंग के माध्यम से बीएलओ, सुपरवाईजर और आरइओ द्वारा संपादित किए जा रहे निर्वाचन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का होता है, कार्य को गंभीरता से ले अधिकारी। बीएलओ, सुपरवाईजर स्तर के सभी कार्य मोबाईल एप से पूर्ण करना है घर-घर मतदाता सर्वे का कार्य 30 जुलाई तक पूर्ण किया जाना है। 2 अगस्त तक मतदाता सूची का प्रकाशन होना है। मतदाता सूची से नाम हटाने का कार्य अति सावधानी पूर्वक किया जाए वीआईपी श्रेणी के वोटरों का शत-प्रतिशत मार्किंग कर लिया जाए। वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर और दिव्यांगजनों का मतदाता सूची में नाम जोडने विशेष पहल किया जाए।

विडियो काफ्रेंस के माध्यम से निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी अथवा सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी द्वारा घर-घर सर्वे कार्य हेतु बीएलओं का प्रशिक्षण/बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। 02 अगस्त 2023 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा एवं 02 अगस्त 2023 व 04 अक्टूबर 2023 को प्रत्येक मतदान केन्द्र में, विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर मतदाता सूची का वाचन किया जाएगा।

इस दौरान ईआरओ कार्यालय तथा जिला स्तर पर स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित कर मतदाता सूची वाचन होगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी स्थिति में मतदान योग्य किसी भी मतदाता का नाम न छूटे। 10 जुलाई 2023 तक दैनिक रूप से ऐरोनेट के लंबित आवेदनों का निराकरण अनिवार्यत: किया जाएगा। नाम विलोपन की कार्यवाही फार्म 7 द्वारा की जाएगी। मृत्यु को छोड़कर अन्य कारणों से विलोपन पर नियमानुसार नोटिस जारी होगी एवं मृत्यु की स्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र अथवा निकट संबंधी साक्ष्य लिया जाएगा।

बीएलओ व बीएलओ सुपरवाईजर के पद रिक्त होने की स्थिति में 15 दिवस के भीतर नियुक्ति की जाएगी। दावा आपत्ति के दौरान प्रत्येक सप्ताह 9, 10, 11, 11ए, व 11बी सूची ईआरओ ऑफिस में चस्पा किया जाएगा। एवं विशेष शिविर दिवसों (12, 13, 19 व 20 अगस्त) का आयोजन किया जाएगा।

एक निशान, एक विधान, एक प्रधान का नारा देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में से एक महान शिक्षाविद एक निशान, एक विधान, एक प्रधान के प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती के अवसर पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल की प्रमुख उपस्थिति में दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में डॉ. मुखर्जी के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, सुरेंद्र कौशिक उपाध्यक्ष दिलीप साहू, विनायक नातू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वरिष्ठ नेताओं के द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला

इस अवसर पर लोकसभा सांसद विजय बघेल ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन काल राष्ट्रवाद और एक निशान, एक विधान, एक प्रधान के लिए समर्पित किया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया। डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वे मानते थे कि विभाजन सम्बन्धी उत्पन्न हुई परिस्थिति ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से थी ऐसे महान विचारक के जन्म जयंती के अवसर पर मैं संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी के तरफ से उन्हें नमन करता हूं और भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं।

कैट ने सीसीआई से अमेज़ॅन के खिलाफ जांच में तेजी लाने का आग्रह किया-अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अध्यक्ष को भेजे एक पत्र में अमेज़ॅन पर बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं के खिलाफ अनैतिक प्रथाओं और प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं का उपयोग करने का आरोप लगाया है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि अमेज़न जानबूझकर उपभोक्ताओं को प्राइम मेंबरशिप लेने के लिए मजबूर कर रहा है और इसे बाद रद्द करना लगभग असंभव बना रहा है। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्षजितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का संघीय व्यापार आयोग (एफ्टीसी) ई-कॉमर्स में एक असमान खेल का मैदान बनाने के लिए अपनी मौजूदा मार्केट पर प्रभाव का दुरुपयोग करने के लिए अमेज़ॅन के खिलाफ एक बड़ा मामला स्थापित करने की प्रक्रिया में है। श्री पारवानी और श्री दोशी ने कहा कि यह पता चला है कि एफ्टीसी अमेज़ॅन के खिलाफ अपनी बाजार शक्ति का दुरुपयोग करके उसी की तरह कुछ विक्रेताओं को दूसरों के ऊपर लाभ पहुंचाने के विरोध में एक व्यापक मुकदमा दायर करने की प्रक्रिया में है। अमेज़न यही काम भारत में 2013 से अपना ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शुरू करने के बाद से करता आया है। एफ्टीसी ने आरोप लगाया है कि अमेज़ॅन अपनी रसद और वितरण सेवाओं का उपयोग करने वाले व्यापारियों को पुरस्कृत करने और इन सेवाओं का उपयोग नहीं करने वालों को दंडित करने के लिए अपनी बाजार शक्ति का दुरुपयोग कर रहा है।

दोनो व्यापारी नेताओं ने आगे कहा कि इसकी लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सेवाओं के लिए लिया जाने वाला शुल्क अन्य प्लेटफ़ॉर्म शुल्क जैसे विज्ञापन, भंडारण और निश्चित लागत आदि पर खर्च के अतिरिक्त है, जो यह विक्रेताओं से लेता है। अमेज़ॅन द्वारा अपने प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकृत विक्रेताओं से लिया जाने वाला कुल प्लेटफ़ॉर्म शुल्क 2016 में 35 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 50 प्रतिशत से अधिक हो गया है। इसका मतलब है कि 100 डॉलर में उत्पाद बेचने वाले विक्रेता के पास केवल 50 डॉलर बचते हैं, जिसमें से उन्हें अपनी सभी लागतों का भुगतान करना पड़ता है।

श्री पारवानी और श्री दोशी ने आगे कहा कि एफ्टीसी ने यह भी आरोप लगाया है कि अमेज़ॅन के बाय-बॉक्स के लिए सर्वश्रेष्ठ विक्रेताओं को चुनने के एल्गोरिदम में लगातार धांधली हुई है और वह एल्गोरिदम की भी जांच शुरू करेगा। बाय बॉक्स एक ऐसी सुविधा है जो उपभोक्ताओं को कई चरणों से बचते हुए उत्पादों को सीधे अपने कार्ट में जोड़ने की अनुमति देती है और उत्पादों को खरीदना बेहद आसान बनाती है। जहां यह छोटे स्वतंत्र विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को न चुन कर कुछ पसंदीदा/नियंत्रित/संबंधित विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं का पक्ष ले रहा है।

सहायक शिक्षक शौकीलाल खडिया बिना सूचना के पाए गए अनुपस्थित, कारण बताओ नोटिस जारी

अच्छी शिक्षा देकर बच्चों के भविष्य का निर्माण करें शिक्षक-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने शिक्षा की गुणवत्ता में विशेष ध्यान देने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को सतत् रूप से जिले के सभी स्कूलों का निरीक्षण करने के सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने कहा था कि बच्चों का भविष्य उनकी शिक्षा से जुड़ी होती है। इसलिए सभी शिक्षक बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनका भविष्य निर्माण करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी।

बीते दिनों उन्होंने स्कूल शिक्षा बैठक के दौरान डीईओ को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया था कि सभी शिक्षक नियत समय में स्कूल में उपस्थित होकर बच्चों को अध्ययन-अध्यापन कार्य में विशेष प्राथमिकता दें एवं बिना कारणवश अनुपस्थित शिक्षकों पर सख्ती कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

इसी कड़ी में डीईओ द्वारा स्कूलों के निरीक्षण में खरसिया विकासखण्ड के शास.प्राथमिक शाला पलगड़ा पहुंचने पर पता चला कि सहायक शिक्षक शौकीलाल खडिया स्कूल खुलने के दिनांक 26 जून से 5 जुलाई तक बिना सूचना के अपने कर्तव्य पर अनुपस्थित है। डीईओ ने संबंधित सहायक शिक्षक पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु कारण बताओ सूचना जारी किया है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री सिन्हा के निर्देशन में लगातार स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण चलता रहेगा। शिक्षकों के द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर उनके ऊपर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गये है, ताकि सामान्य एवं मध्यम वर्गो के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलें। उन्होंने कहा कि यही बच्चे हमारा भविष्य है और इन बच्चों को शिक्षा का उचित वातावरण देना शिक्षा विभाग की महती जिम्मेदारी है। ताकि बच्चे मनाकर लगाकर पढ़ाई करें एवं जिले का नाम रोशन करें। कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि हर बच्चे के लिए उसका स्कूल एक तरह से उसका दूसरा घर होता है इसलिए स्कूल के साथ उसके शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि जीवन में शिक्षक की भूमिका माता-पिता के समान होती है ऐसे में अध्यापकों का व्यवहार और बच्चों के प्रति उनका आचरण काफी हद तक बच्चों की ग्रोथ पर निर्भर करता है।

कलेक्टर सिन्हा के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी बी.बाखला एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक प्रदीप कुमार साहू द्वारा विकासखण्ड खरसिया अंतर्गत शा.प्राथमिक शाला पतरापाली, शा.प्राथमिक शाला उल्दा, शास.प्राथमिक शाला बरगढ़, शास.प्राथमिक शाला पलगड़ा, शास.प्राथमिक शाला लोधिया, शास.प्राथमिक शाला ढिमानी, शास.प्राथमिक शाला सरवानी, शास.प्राथमिक शाला तीउर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इन सभी स्कूलों में सभी शिक्षक उपस्थित पाये गये एवं स्कूल संचालन सही पाया गया।

डौण्डी में किया गया गढ़बो भविष्य प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप बालोद जिला प्रशासन द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत पात्र जिले के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार प्रदान करने हेतु जिले के विकासखण्ड मुख्यालय डौण्डी में 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट कैंप में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर जिले के शिक्षित बेरोजगारों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। डौण्डी में आयोजित गढ़बो भविष्य प्लेसमेंट कैंप में बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत पात्र डौण्डी विकासखण्ड के लगभग 643 शिक्षित युवा शामिल हुए। जिसमें कुल 237 शिक्षित युवाओं ने प्रशिक्षण एवं जॉब हेतु पंजीयन किया गया। इस दौरान कौशल विकास परियोजना अधिकारी यामिनी ठाकुर ने बताया कि आयोजित 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में युवाओं को प्रशिक्षण एवं जॉब हेतु विभिन्न प्रकार के ट्रेड की जानकारी दी गई।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

न्यायालय की बाउंड्रीवॉल टूटकर गिरी, कार और बाइक क्षतिग्रस्त

मनेंद्रगढ़ (ए)। गुरुवार को दोपहर बाद हुई मूसलाधार बारिश से सिविल कोर्ट मनेंद्रगढ़ की बाउंड्रीवॉल ध्वस्त हो गई। दीवार की चपेट में आकर एक कार और एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जो आधे घंटे से भी ज्यादा समय तक होती रही। इस बीच लगातार बारिश से दोपहर करीब साढ़े 3 बजे सिविल कोर्ट मनेंद्रगढ़ की लगभग 15 मीटर बाउंड्रीवॉल तेज आवाज के साथ धराशायी हो गई और दीवार का मलबा पूरी सड़क पर फैल गया। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। वार्ड क्र. 20 निवासी प्रकाश शर्मा ने हमेशा की तरह अपने घर से 100 मीटर दूरी पर सिविल कोर्ट की बाउंड्रीवॉल से सटाकर सुजकी स्विफ्ट कार क्र. एमपी18 -2308 को खड़ी की थी। वहीं बाइक मालिक वंश लाल ने अपनी पल्सर बाइक को भी कार से थोड़ी दूरी पर खड़ी की थी। दीवार गिरने से कार और बाइक दोनों मलबे में दबकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हुई कार।

शिक्षक के सूने मकान में चोरी 45 हजार के जेवरात व सामान ले गए चोर

कांकेर (ए)। कांकेर चारामा थानांतर्गत ग्राम रतेसरा में नेशनल हाइवे के पास लगे शासकीय कर्मचारी के सुने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने घर का ताला तोड़कर जेवरात व अन्य सामग्री चुरा ले गए। ग्राम रतेसरा के कलार पारा में शिक्षक उत्तम कुंजाम (38) 5 जुलाई को अपने स्कूल चला गया था। उसकी पत्नी भी ग्राम सेवक है। वह भी डयूटी में चली गई थी। वहीं बच्चे स्कूल चले गए थे। घर पर ताला बंद था। चोर ने सूने घर का फायदा उठाया और ताला तोड़कर अंदर घुसा और आलमारी का ताला तोड़कर उसमे रखे सोने चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। जब शिक्षक शाम को घर पहुंचा, तब चोरी की जानकारी हुई। चोरी किए गए सामान में एक जोड़ी पायल 5 हजार, एक जोड़ी खिनवा 5 हजार, एक जोड़ी झुमका साढ़े 12 हजार, मंगलसूत्र साढ़े 12 हजार व दो मोबाईल 10 हजार शामिल हैं। घर में कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। इस कारण चोर का पहचान नहीं हो पाया। दूर एक वाहन रिपेंयरिग शो रूम में सीसीटीवी कैमरा लगा है। जहां से चोर नजर आ रहा है।

वाट्सअप कॉल से सेक्सटॉर्शन, कांस्टेबल का अश्लील वीडियो बनाकर वसूले 3.16 लाख रुपए

बिलासपुर (ए)। जिले में सेक्सटॉर्शन का मामला सामने आया है। वाट्सअप पर लड़की के वीडियो कॉल के बाद कांस्टेबल से ब्लैकमेल का खेल शुरू हुआ और न्यूड वीडियो बनाकर पीड़ित कांस्टेबल से 3 लाख 16 हजार रुपए ऐंठ लिए। परेशान होकर उसने थाने में शिकायत की। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। पीड़ित 43 वर्षीय युवक 18वीं बटालियन छसबल में ट्रेड कांस्टेबल है।

उसके मोबाइल पर 2 जुलाई की सुबह 10.30 बजे वीडियो कॉल आया। फोन करने वाले ने अपना नाम नेहा शर्मा बताया। वह न्यूड होकर कॉल की और उसे भी उकसा कर न्यूड करा लिया। इसका वह वीडियो बना ली। शाम 5.30 बजे वह कॉल कर पैसे की मांग करने लगी। नहीं देने पर न्यूड वीडियो वायरल करने की धमकी दी। दूसरे दिन सुबह 10.45 बजे फिर उसके मोबाइल पर कॉल आया। इस बार कॉल करने वाले ने खुद को साइबर सेल का अफसर राकेश अस्थाना बताया।

उसना कहा की नेहा शर्मा नाम की युवती ने उसका अभद्र वीडियो बनाकर वायरल कर दिया है। साथ ही कहा कि वीडियो को वायरल होने से रोकने के लिए उसे यू-ट्यूब ब्रांच पर बात करके डिलीट करवाना पड़ेगा नहीं तो वह पूरा बर्बाद हो जाएगा। कांस्टेबल से उस नंबर पर कथित राहुल शर्मा से बात की तो वह वायरल वीडियो बंद करने के लिए पैसे की मांग की। पैसे डालने के लिए पेटीएम नंबर दिया। कांस्टेबल ने 17 हजार 500 रुपए फोन पे किया। कथित राहुल शर्मा ने कहा कि उसका 3 वीडियो है। इसके बाद वह कांस्टेबल ने अलग अलग फोन पे, पेटीएम, एकाउंट से रकम डाले। उसने कुल 3 लाख 16 हजार रुपए दिए पर पैसे की मांग खत्म नहीं हुई। परेशान होकर उसने थाने में शिकायत की। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया गया है।

करंट लगने से मादा भालू व उसके बच्चे की मौत, बोर के लिए किसान ने लगाया था तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बुधवार रात को करंट की चपेट में आने से मादा भालू व उसके बच्चे की मौत हो गई। गुरुवार की सुबह जब किसान खेत में पहुंचा तो मादा भालू व उसके बच्चे के शव को देखा। मामला नरहरपुर वन परिक्षेत्र का है। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच मे पता चला कि किसान ने खेत में बोर के लिए बिजली का तार बिछा रखा था। मादा भालू अपने बच्चे के साथ इसी तार की चपेट में आ गई। ेनरहरपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी धनलाल साहू ने बताया कि थानाबोडी गांव में प्रेम सिन्हा

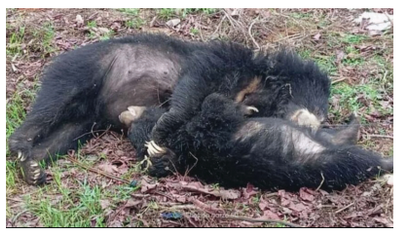

के खेत मे मादा भालू और उसके बच्चे का शव बरामद हुआ है। मादा भालू की उम्र करीब पांच साल और बच्चा चार महीना का होगा। प्रेम सिन्हा ने खेत में सिंचाई के लिए बोर लगाकर विधुत कनेक्शन ले गया था, जिसकी चपेट में भालू आया है। फिलहाल वन विभाग की टीम जांच में जुट गई है।

जन्म लेते ही बेबी एलीफेंट की मौत

कोरबा (ए)। कोरबा वन मंडल के अंतर्गत आने वाले कुदमुरा वन परिक्षेत्र में एक बेबी एलीफेंट की जन्म के दौरान मौत हो गई है, जैसे ही सुबह इसकी खबर मिली वन विभाग के अफसरों में हड़कंप मच गया और वे तत्काल मौके पर पहुंचे।

जिस स्थान पर बेबी एलीफेंट की मौत हुई है उससे लगभग 500 मीटर दूर उसकी मां (हथिनी) डेरा डाली हुई है, जिसकी वजह से वन विभाग को वैधानिक कार्रवाई करने में परेशानी हो रही है। कोरबा वन मंडल के अंतर्गत आने वाले कुदमुरा वन परिक्षेत्र में हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है, जिसमें से एक हथिनी ने शुक्रवार की सुबह एक बेबी एलीफेंट को जन्म दिया। पर जन्म के दौरान ही उसकी मौत हो गई। सुबह जब ग्रामीण दिशा मैदान के लिए गए तब

उन्होंने देखा कि बेबी एलीफेंट मृत पड़ा हुआ है और उसकी मां जोर-जोर से जंगल में चिंघाड़ रही है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद वनमंडल अधिकारी अरविंद पी, एसडीओ आशीष खेलवार कुदमुरा वन परीक्षेत्र अधिकारी सहित अन्य वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच गई।

केपीएस स्टूडेंट्स के बीच मारपीटः एक का सिर फूटा
बस में मनपसंद सीट को लेकर हुआ था झगड़ा

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के केपीएस स्कूल के स्टूडेंट के बीच आपस में बस की सीट को लेकर झगड़ा हो गया। जिसके बाद एक स्टूडेंट ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दूसरे स्टूडेंट की जमकर पिटाई कर दी। इसमें दूसरे छात्र का सिर फूट गया और खून निकलने लगा। पीड़ित ने आरोपी छात्र के खिलाफ आजाद चौक पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों नाबालिग स्टूडेंट के बीच झगड़े की शुरुआत बस में मनपसंद सीट पर बैठने को लेकर हुई। ये स्टूडेंट रायपुर के डुंडा स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। वे रोज एक ही बस में बैठकर स्कूल से आना-जाना करते हैं। 5 जुलाई की दोपहर 1 बजे के करीब स्कूल की छुट्टी होने के बाद यह दोनों स्टूडेंट बस में बैठकर घर की ओर निकले, तभी अचानक इनकी बस में सीट को लेकर आपस में कहासुनी हो गई। वहां पर तो दोनों के बीच जैसे-तैसे मामला शांत हुआ। इसके बाद एक स्टूडेंट बूढ़ातालाब में बस से उतर गया और दूसरा स्टूडेंट मुकुट नगर में अपने घर के पास उतरा।

इस बीच पहले बस से उतरा नाबालिग आरोपी लड़का बाइक से मुकुट नगर आ पहुंचा। वो अपने साथ कुछ और युवकों को भी लेकर आया था। उसने बस की सीट वाली घटना को लेकर दूसरे स्टूडेंट के साथ बहस शुरू कर दी। वो उसे गालियां देने लगा, फिर बात धक्कामुक्की तक आ पहुंची। इसके बाद दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। और इस बीच आरोपी लड़के ने दोस्तों के साथ मिलकर दूसरे स्टूडेंट के सिर पर वार कर दिया। जिससे वो बुरी तरह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोग उसे तत्काल अस्पताल लेकर गए। जिसके बाद पूरा मामला पुलिस थाने तक पहुंचा।

फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घायल छात्र का इलाज कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है।

महिलाओं को करता था बदनाम, अधेड़ की हत्या

सूरजपुर (ए)। चरित्र पर शक करने और चरित्र में दोष के आरोप लगाने पर 3 महिलाओं समेत 4 लोगों ने 50 वर्षीय अधेड़ की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। बुधवार को जिले के ग्राम नरेशपुर निवासी ज्योति सतनामी ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता सुखलाल गांव के ही रनिया के घर गए थे। वहां से वापस आकर उन्होंने बताया कि रनिया और उसका लड़का मारपीट किए हैं। इसके साथ ही जान से मारकर फेंक देने की धमकी भी दिए है।

इसपर ज्योति और उसकी मां दोनों रनिया के घर गए और मारपीट की वजह पूछने पर रनिया ने बताया कि सुखलाल गलत काम करने और दूसरों के साथ घूमने की बात कहता है और चरित्र पर लांछन लगाता है। इसीलिए रनिया और उसके बेटे के साथ पड़ोस की ही रहने वाली दो महिलाओं ने उसकी पिटाई कर दी। वहीं पिटाई करते देखकर गांव के लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। लेकिन गुस्साई रनिया और उसके बेटे ने फिर सुखलाल के साथ साथ मारपीट करते हुए गले में लोहे के रॉड से हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पार्थी के बयान के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ 302, 294, 506, 323, 34 के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरु की।

वहीं सूचना पर कोतवाली थाना के कर्मियों ने दबिश देकर 3 महिलाओं को पूछताछ के लिए पकड़ा। पूछताछ पर हत्या करने का बात स्वीकार कर ली। इसके साथ ही उन्हीं की निशान देही पर घटना में प्रयुक्त आलाजरब लोहे का रॉड जब्त कर तीनों आरोपी रनिया रवि, अनिता रवि व सरिता उर्फ छोटी रवि निवासी नरेशपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं मामले में 1 आरोपी फरार है उसकी पतासाजी की जा रही है।

बलरामपुर के सरकारी स्कूल कैंपस में तीन बच्चियों को लगा करंट, एक छात्रा की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के सरकारी स्कूल कैंपस में करंट लगने से छह साल की एक बच्ची की मौत हो गई। वहीं दो बच्चियां झटके से बेहोश हो गईं। दोनों बच्चियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला वाड्रफनगर विकासखंड का है। बताया जा रहा है कि स्कूल कैंपस में स्थित राशन दुकान के शटर में करंट आ रहा था। बच्चियां खेलते हुए वहां पहुंची और शटर छूते ही गिर गईं।

मिली जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिले के ग्राम कोटी स्थित प्राथमिक स्कूल में पढ़ने

वाले बच्चे गुरुवार दोपहर मध्यान्ह भोजन के अवकाश के दौरान परिसर में खेल रहे थे। इनमें से तीन बच्चे आरती (9) पुत्री लालसाय खैरबार, काजल (6), पुत्री महेश वर्षा (6) पुत्री विनोद खैरबार खेलते हुए स्कूल परिसर में स्थित राशन दुकान के सामने पहुंच गईं। इस दौरान बच्चों ने राशन दुकान के शटर को छू लिया। शटर छूते ही वर्षा खैरबार उससे चिपक गई और बेहोश हो गई। वहीं अन्य दोनों छात्राएं आरती और काजल झटके से गिर गए और बेहोश हो गए। जैसे ही हादसे की जानकारी स्कूल में लगी तो शिक्षक तुरंत वहां पहुंचे। तीनों बच्चियों को शटर से दूर किया गया और तीनों को अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद वर्षा खैरबार को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि आरती व काजल होश में हैं और उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। मृत छात्रा वर्षा खैरबार कक्षा पहली की छात्रा थी। अस्पताल में दाखिल काजल कक्षा पहली एवं आरती कक्षा दूसरी की छात्रा है। हादसे के बाद हड़कंप मचा हुआ है। राशन दुकान की शटर में करंट कैसे दौड़ रहा इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

EmailId:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148

-:: मेनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक /410/लो0क0वि0/2023 दिनांक 26-06-2023

नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्रान्तर्गत निम्नानुसार कार्य कराया जाना हैं। अतएव एकल श्रेणी में "डी" या उच्चवर्ग में पंजीकृत ठेकेदार अथवा आयकर व जी.एस.टी. में पंजीकृत व्यक्ति/फर्म से मेनुअल निविदा आंमत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि- 12.07.2023
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 18.07.2023(अपरांह 3.00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि - 18.07.2023 सांय 4.00 बजे

क	कार्य का नाम	लागत
1.	ठगडा बांध में ब्रिज रेलिंग लगाने का कार्य।	रू. 19.80 लाख

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in एवं www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा

शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./2160 /का.अभि/ वलेलि / ग्रा.यां. सेवा / 2023-24

बेमेतरा, दिनांक 03/07/2023

संक्षिप्त मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 09

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल के ओर से केवल एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बेमेतरा में विभिन्न योजनाओं के तहत् लघु कार्य / जीर्णोद्वार कार्य भाग -20 से भाग - 26 एवं उपसंभाग साजा के लिए भाग-23 से भाग-29 तक, उपसंभाग बेरला के लिए भाग-13 से भाग- 19 तक एवं उपसंभाग नवागढ़ के लिए भाग-21 से भाग - 27 तक अनुमानित लागत प्रत्येक भाग 20.00 लाख रूपये का जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 03.07.2023 से देखी / डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदा प्राप्ती की अंतिम तिथि 19.07.2023 तथा निविदायें दिनांक 20.07.2023 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जावेगी ।

(दीपक कुमार मिश्रा)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- बेमेतरा
जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

जी-03060/4

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

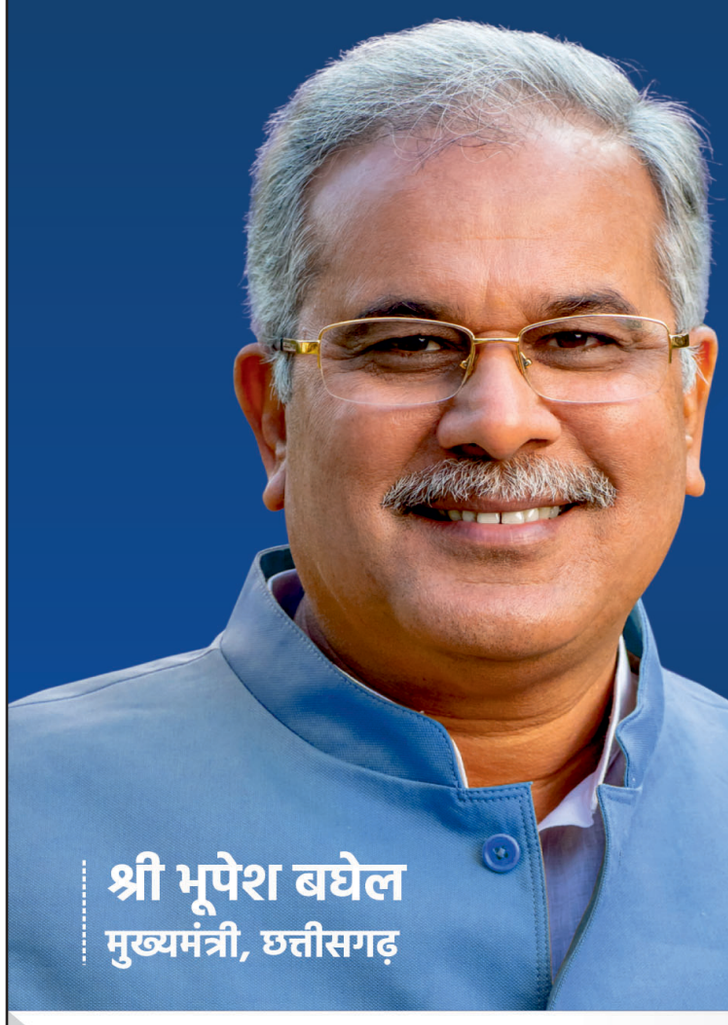

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हर वर्ग का ख्याल ऐसा
हर खाते में डाला पैसा

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

55 महीनों में
1,60,000
करोड़ रुपए

किसानों, मजदूरों, आदिवासियों से लेकर कर्मचारियों, कारोबारियों तक
महिलाओं, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक
हर किसी के साथ खड़ी है छत्तीसगढ़ सरकार

RO-37616/59

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950